एक्सप्रेस-वे पर निजी बस और ट्रक की टक्कर, 3 की मौत

नई दिल्ली 16 अप्रैल (निस) राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बीती रात एक निजी बस और रसायन लेकर जा रहे ट्रक की टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा रैणी थाना क्षेत्र के पिनान के पास हुआ।

दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

दो विमान टकराए

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (निस) इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया, जब अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमान आपस में टकरा गए। यह घटना 16 अप्रैल को करीब दोपहर 2 बजे एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में हुई। कोई अधिक क्षति नहीं हुई न ही किसी यात्री को चोट लगी है।

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 105 पटियाला शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

सदन में विपक्ष के साथ बहस, अखिलेश ने कहा-मुस्लिम महिलाओं को मिले आरक्षण

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पेश, पीएम ने कहा-यह आरक्षण महिलाओं का अधिकार

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (निस) लोकसभा के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल पर जारी चर्चा में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा हुआ है। उन्हें कभी माफी नहीं मिली।उन्होंने कहा कि इसलिए जिन्हें भी इसमें राजनीति की बू आ रही है, वे खुद के परिणामों को देख लें। इसमें फायदा है, जो नुकसान हो रहा है उससे बच सकते है। इसलिए इस बिल को राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी। इसके पहले अखिलेश यादव ने कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा वे उसके मान सम्मान को कैसे रख सकते है। वहीं चर्चा में शामिल होकर पीएम मोदी ने कहा कि यहां कुछ लोगों को लगता है, इसमें कहीं न कहीं मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। इसका अगर विरोध करते हैं, तब स्वभाविक है कि

राजनीतिक लाभ मुझे होगा। अगर साथ चलते हैं, तब किसी को भी नहीं होगा। फिर अलग पहलू हो जाता है। हमें क्रेडिट नहीं चाहिए जैसे ही पारित हो जाए, तब मैं विज्ञापन देकर सभी का धन्यवाद देने तैयार हूं। सबकी फोटो छपवा देने वाला हूं। ले लो जी क्रेडिट। सामने से क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं। इतना ही नहीं पीएम मोदी ने कहा कि अगर गांरटी शब्द चाहिए, तब मैं वह शब्द भी उपयोग करता हूं, वादा की बात करते हो, तब उसका भी इस्तेमाल करता हूं। तमिल में कोई शब्द हो, तब मैं उस शब्द को भी कहता हूँ। क्योंकि जब नीयत साफ है, तब शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है। इस दौरान विपक्ष पर तंज कंसते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे यहां परंपरा है कि अच्छे काम में किसी की नजर न लगे इसके लिए काला टीका लगाते हैं, इसलिए मैं आपका (डीएमके) धन्यवाद करता हूं। दरअसल, पीएम मोदी ने डीएमके का नाम लिए बिना जिक्र किया। डीएमके सांसद आज परिसीमन बिल का विरोध करने के लिए काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे। हम भ्रम में न रहें, हम अहंकार में न रहें। यहां मैं और तुम की बात नहीं कर रहा हूं। हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं। ये उनका हक है। और हमने कई दशकों से उन्हें रोका है। आज उसका प्रायश्चित करके उस अपराध से मुक्ति पाने का मौका है।

युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान जल्द से जल्द हो-पीएम का मध्यपूर्व को संदेश

होर्मुज नाकेबंदी को लेकर तनाव जारी, चीन ने अपने जहाजों को लेकर ईरान से लगाई गुहार

नइ दिल्ली 16 अप्रैल (निस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को पश्चिम एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया। मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ बातचीत के बाद ये टिप्पणियां कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया एक बहुत ही गंभीर और तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में इस तनावपूर्ण स्थिति का प्रभाव हम सभी महसूस कर रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रिया इस बात पर सहमत हैं कि सैन्य संघर्ष से समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन और पश्चिम एशिया में स्थिर, टिकाऊ और दीर्घकालिक शांति का समर्थन करते

हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा व्यापार और निवेश को नयी ऊर्जा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों में एक नया स्वर्णिम अध्याय शुरू हो गया है। ऑस्ट्रिया के चांसलर विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से चार दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को नयी दिल्ली पहुंचे। भारत की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है।

अमेरिकी नाकेबंदी ने बढ़ाई चीन की टेंशन-चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। तेहरान के अमेरिका के साथ युद्ध के दौरान इस अहम समुद्री मार्ग पर दबाव बढ़ाने के बीच बीजिंग की ओर यह पहली ऐसी अपील है। वांग यी ने बुधवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत के दौरान अंतर्राष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मांगी। वांग की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक मध्यस्थता प्रतिनिधिमंडल बुधवार को तेहरान पहुंचा, जहां उसने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता के लिए नए शांति प्रस्तावों पर चर्चा की।ईरान का करीबी सहयोगी और उसके तेल का सबसे बड़ा आयातक चीन भी अमेरिकी नाकेबंदी से बढ़ते ऊर्जा संकट को लेकर चिंतित है। इस नाकेबंदी के कारण ईरान के बंदरगाहों से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के बीच स्थित लगभग 55 किलो **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

आंध्र प्रदेश में सड़क हादसे में 8 की मौत

कुरनूल 16 अप्रैल (निस) आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में गुरुवार की सुबह एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना घटित हुई, जिसमें कम से कम 8 लोगों की जान चली गई। यह हादसा चिलकलाडोना के पास उस समय हुआ जब तीर्थयात्रियों से भरी एक बोलेरो गाड़ी की टक्कर एक लॉरी से हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान कर्नाटक के चिक्कमगलुरु क्षेत्र के रहने वाले तीर्थयात्रियों के रूप में हुई है, जो दर्शन के लिए निकले थे। इस सड़क हादसे में लगभग 10 से 12 अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल नजदीकी एम्मिगनूर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

वहीं पीएम मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने इस कठिन समय में सहायता का हाथ बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मुआवजे की भी घोषणा की है। घोषणा के अनुसार, प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी, जबकि घायल हुए लोगों को 50,000 की सहायता दी जाएगी।

विधिवत जनगणना से विकसित हरियाणा का लक्ष्य मिलेगा

सीएम सैनी ने फार्म भरकर जनगणना की शुरुआत की

चंडीगढ़, 16 अप्रैल (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज ऑनलाइन सेल्फ एन्यूमरेशन फॉर्म भर कर राज्य में जनगणना 2027 की प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया। इस पहल के माध्यम से उन्होंने प्रदेशवासियों को जनगणना में सक्रिय भागीदारी करने का संदेश दिया।मुख्यमंत्री ने वीरवार को यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि स्व-गणना की प्रक्रिया बेहद सरल और समय की बचत करने वाली प्रणाली है। यह पहल प्रधानमंत्री के ईज ऑफ लिविंग और डिजिटल इंडिया के विजन को और

सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 विकसित हरियाणा-विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है और यह केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राज्य के समग्र और न्यायसंगत विकास की आधारशिला है।उन्होंने कहा कि हरियाणा में जनगणना का प्रथम चरण 1 मई से 30 मई, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें मकानों की गणना एवं सूचीकरण का कार्य पूरा किया जाएगा। इससे पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नागरिकों को डिजिटली स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो डिजिटल भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि सटीक और विश्वसनीय जनगणना आंकड़े ही ऐसी नीतियों और योजनाओं के निर्माण को सुनिश्चित करते हैं, जो समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंच सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए मंत्र 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' को दोहराते हुए कहा कि यह संकल्प हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा।उन्होंने कहा कि भारत में जनगणना का गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसकी व्यवस्थित शुरुआत वर्ष 1872 में हुई थी। स्वतंत्रता के बाद यह देश की 8वीं और हरियाणा के गठन के बाद 6वीं जनगणना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना के सटीक आंकड़े ही राज्य और देश की विकास योजनाओं की नींव होते हैं।

मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद बिहार के सीएम चौधरी तख्त श्रीपटना साहिब में नतमस्तक हुए

पटना साहिब 16 अप्रैल (जगजीत सिंह) बिहार के नव नियुक्ति मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही आज तख्त पटना साहिब नतमस्तक होकर गुरु महाराज का शुकराना किया। तख्त पटना साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी बलदेव सिंह के द्वारा उन्हें सिरोपा भेंट किया गया। तख्त पटना साहिब कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, महासचिव इन्द्रजीत सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखविन्दर सिंह, उपाध्यक्ष गुरुविन्दर सिंह के द्वारा उन्हें कृपाण, स्मृति चिन्ह एवं इतिहास की किताब

भेंट की गई। तख्त साहिब कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही एवं महासचिव इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि वैसे तो सम्राट चौधरी पूर्व में भी कई बार तख्त साहिब नतमस्तक हो चुके हैं मगर मुख्यमंत्री बनने के बाद आज पहली बार तख्त साहिब नतमस्तक हुए और गुरु महाराज का शुकराना किया। इस मौके पर माननीय मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिन्द सिंह जी और माता साहिब कौर जी के जोड़ा साहिब एवं माता गुजरी जी के पवित्र कुएं के दर्शन भी किए। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री नितिश कुमार के समय में जिस प्रकार से तख्त साहिब को सरकार की ओर से सहयोग मिलता रहा है उसी प्रकार सम्राट चौधरी के द्वारा भी मिलता रहेगा क्योंकि सम्राट चौधरी की आस्था भी गुरुघर के प्रति है।

अगले दो दिन देश के कई हिस्सों में तेज लू एवं गर्मी बढ़ने की चेतावनी

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (निस) देश के मध्य और दक्षिणी हिस्से में तेज गर्मी पड़ रही है। बीते 2 दिन से राजस्थान, मध्य प्रदेश,

उत्तर प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और महाराष्ट्र में पारा 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक अचानक गर्मी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ का कमजोर पड़ना है। ऐसा मौसम 20 अप्रैल तक रहेगा, जिसके कारण पश्चिमी, मध्य और दक्षिण भारत में भीषण गर्मी पड़ेगी। गर्मी के असर से बच्चों को बचाने के लिए महाराष्ट्र के वर्धा में सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गंगा से सटे बंगाल और नगालैंड में आज बिजली गिरने के साथ आंधी-बारिश होने का अनुमान है। जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी, पंजाब और हरियाणा में बारिश हो सकती है।

अशोक चक्र पर गाइडलाइंस बनाने की मांग पर सुनवाई से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली 16 अप्रैल (निस) सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा पर अशोक चक्र के प्रदर्शन को लेकर गाइडलाइंस बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि इस तरह के मामलों में अत्यधिक भावुक होने के बजाय रचनात्मक कार्यों पर ध्यान देना ज्यादा जरुरी है। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जयमाला बाघची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि इन बातों को लेकर इतना भावुक होने की जरूरत

नहीं है। आपका विचार अच्छा है, आपने अपनी बात रख दी है। अब यह संबंधित अधिकारियों पर निर्भर करता है कि वे क्या फैसला लेते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता को समाज के लिए कुछ सकारात्मक और रचनात्मक कार्य करने चाहिए, जिससे व्यापक स्तर पर लाभ मिल सके। याचिकाकर्ता ने कोर्ट के सामने अशोक चक्र के प्रदर्शन से जुड़ा एक मुद्दा उठाया था। उसने वाराणसी के एक चौराहे पर लगे अशोक चक्र की तस्वीर पेश करते हुए कहा कि इसके स्वरूप को लेकर गलत संदेश जा रहा है। एक बच्चे ने इसे बंदर जैसा बताया, जिससे उसे ठेस पहुंची। याचिका में केंद्र सरकार और अन्य संबंधित प्राधिकरणों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि राष्ट्रीय ध्वज पर अशोक चक्र के सही और मानक स्वरूप के प्रदर्शन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।

लंदन में केस हारने के बाद नीरव मोदी अब यूरोपीयन कोर्ट के द्वार पर पहुंचे

नई दिल्ली 16 अप्रैल (निस) लंदन की कोर्ट से मुंह की खाने के बाद अब भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी ने नई चाल चली है।

मामला अब ब्रिटेन से फ्रांस पहुंच गया है, जहां नीरव मोदी ने यूरोपियन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम ऐसे समय उठाया है जब नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया लगभग अंतिम चरण में मानी जा रही थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह आखिरी कोशिश उसे भारत आने से बचा पाएगी या फिर अस्थायी राहत साबित होगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूरे मामले को देखें तो यह सिर्फ एक कानूनी लड़ाई नहीं बल्कि समय खरीदने की रणनीति मालूम होती है। भारत में पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी नीरव मोदी पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है1 ब्रिटेन की अदालतों में करीब सभी विकल्प खत्म होने के बाद मोदी मानवाधिकार का तर्क देकर नया रास्ता चुना है। यह तरीका पहले भी कई मामलों में इस्तेमाल हो चुका है, लेकिन सफलता की दर बेहद कम रही है1

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल हो सकते हैं पुतिन, दिसंबर तक मास्को जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली 16 अप्रैल (निस) भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत और रूस के संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस वर्ष सितंबर में भारत आ सकते है। यदि यह दौरा होता है, तब यह नौ महीनों के भीतर उनका दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले वे दिसंबर 2025 में वार्षिक भारत रूस शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए थे। बता दें कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है और इस कड़ी में सितंबर में शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा मई में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी भारत में आयोजित होगी, इसमें रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के भाग लेने की उम्मीद है। यह बैठक तब हो रही है जब पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है और भारत इस मुद्दे पर ब्रिक्स देशों के बीच एक साझा रुख बनाने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर, ऊर्जा क्षेत्र में भी हालात तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह रूस और ईरान से तेल खरीदने के लिए दी गई छूट को आगे नहीं बढ़ाएगा। इससे भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। पहले छूट के कारण भारतीय रिफाइनर सस्ते दाम पर रूसी तेल खरीद पा रहे थे, लेकिन अब आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। बताया गया है कि अस्थायी छूट के

दौरान भारतीय कंपनियों ने लगभग तीन करोड़ बैरल रूसी तेल का ऑर्डर दिया था।

वैसे भारत और रूस के संबंध केवल ऊर्जा या रक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक और बहुआयामी साझेदारी है। हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दोनों देशों के विशेषज्ञों और कूटनीतिज्ञों ने द्विपक्षीय संबंधों के नए एजेंडा पर चर्चा की थी। इस दौरान वैश्विक आर्थिक बदलाव, पश्चिम एशिया की स्थिति और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था जैसे मुद्दे प्रमुख रहे थे। दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी मित्रता समानता, आपसी विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर आधारित है। दोनों देशों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2025 में द्विपक्षीय व्यापार करीब साठ अरब डॉलर तक पहुंच गया और लक्ष्य है कि 2030 तक सौ अरब डॉलर तक बढ़ाया जाए।

राष्ट्रपति मुर्मू 27 अप्रैल को आएंगी हिमाचल

शिमला, 16 अप्रैल (निस) देश की पहली नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 अप्रैल से छह दिन के दौरे पर हिमाचल प्रदेश पहुंच रही हैं। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, वे शिमला, अटल टनल और पालमपुर यूनिवर्सिटी जाएंगी। राष्ट्रपति 27 अप्रैल को दिल्ली से चंडीगढ़ और वहां से सीधे शिमला के कल्याणी हेलिपेड पर उतरेगी। वह दोपहर करीब 12=15 बजे शिमला पहुंचेंगी और राष्ट्रपति निवास रिट्रीट (छराबड़ा) में ठहरेंगी। 28 की सुबह वे राष्ट्रपति निवास में आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी। 29 अप्रैल को राष्ट्रपति शिमला से अटल टनल रोहतांग जाएंगी, जहां वे सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। इसके बाद शाम को वे वापस छराबड़ा स्थित रिट्रीट लौटेंगी। इसके बाद 30 को राष्ट्रपति पालमपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में भाग लेकर शाम को शिमला लौटेंगी। 1 मई को एट होम कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहने वाले है।

बटाला में नई पुलिस लाइन बनाने के लिए फंड जारी.....

कांग्रेस, अकाली व भाजपा को आम लोग पसंद नहीं हमेशा उनका तिरस्कार किया-सीएम मान

बटाला, 16 अप्रैल (निस) पंजाब के ऐतिहासिक शहरों में शामिल बटाला के कायाकल्प के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 177 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की घोषणा की। ऐतिहासिक नगर के बुनियादी ढांचे का बड़े पैमाने पर विस्तार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं की घोषणा करके मुख्यमंत्री ने सत्ता का सुख भोग चुकी पिछली सरकारों को कड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। यहां की नगर निगम द्वारा 95.72 करोड़ रुपये के विकास कार्य किये जाएंगे, मंडी बोर्ड द्वारा 16.05 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे और लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के निर्माण पर 65.09 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा सड़कों के नवीनीकरण पर मंडी बोर्ड 42.56 करोड़ रुपये जबकि लोक निर्माण विभाग 34.97 करोड़ रुपये खर्च करेगा। बटाला हलके में चार नए पुल बनेंगे और नई पुलिस लाइन के लिए 14.81 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के लोगों ने साल 2022 में अकाली-कांग्रेस की तीन पीढ़ियों से चल रही लूट का अंत कर दिया और साल 2027 में भी उन्हें वापसी नहीं करने देंगे, जबकि पिछली सरकारों पर खुद को बचाने के लिए जानबूझकर बेअदबी विरोधी कानूनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने पारंपरिक पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये पार्टियां आम लोगों से दूर हो गई थीं जिसकी वजह से लोगों ने इन्हें खारिज कर दिया जबकि उनकी सरकार शासन प्रदान करने और जवाबदेही के सम्मिलन के साथ आगे बढ़ रही है। कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का शिलान्यास

करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'अकालियों ने जानबूझकर बेअदबी के खिलाफ कमजोर कानून बनाया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घिनौने अपराध के दोषियों को उनके पापों की सजा न मिले।' उन्होंने आगे कहा, 'ये नेता यह भी डरते थे कि उन्हें भी उनके अपराध की सजा मिलेगी जिस कारण इन्होंने कानून ही कमजोर बना दिया।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने जगत जोति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया है, जिसमें बेअदबी के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा, 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी का घिनौना अपराध प्रांत में कठोर मेहनत से कायम की गई शांति, भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भावना को भंग करने की गहरी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

ज्वालामुखी बन सकती है मजदूर आंदोलन की चिंगारी

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन दरों में संशोधन को मंजूरी दे दी है। नोएडा में कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बाद योगी सरकार ने यह फैसला लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार ये नई अंतरिम दरें 1 अप्रैल से लागू कर दी गई हैं। नोएडा में 13 अप्रैल को हुए श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के बाद आज पूरे दिल्ली-एनसीआर में हाई अलर्ट है।मजदूरों के गुस्से को देख कर सरकार आनफुट आ गयी है। केंद्र सरकार मामले की मानिटरिंग कर रही है वहीं यूपी हरियाणा राजस्थान की प्रदेश सरकारें अपने अपने स्तर पर मजदूरों के आंदोलन के शमन और मजदूरों को भड़काने वाले लोगों की पहचान करने में लगे हुए हैं। सरकार का मानना है कि यह समिति संवाद और आपसी सहमति के जरिए विवादों को सुलझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके और औद्योगिक माहौल स्थिर बना रहे। उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में वेतन बढ़ोत्तरी समेत सामाजिक सुरक्षा के कई बिंदुओं को लेकर मजदूरों के आंदोलनों व उग्र प्रदर्शनों ने केंद्र तक को सतर्क कर दिया है। दरअसल, हरियाणा से शुरू हुई आग उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। हरियाणा से सटे राजस्थान के इक्के दुक्के स्थानों पर छिटपुट घटना होकर फिलहाल शांत है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से एलपीजी गैस नहीं मिलने से मजदूरों की परेशानी बढ़ी हुई थी और उनका गुस्सा आंदोलन में तब्दील हो गया। पता हो कि दिल्ली से सटे नोएडा औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का गुस्सा अब एक शहर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर में फैला हुआ एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है. वेतन वृद्धि, महंगाई और श्रम सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ यह विरोध अब कई जिलों में असर दिखा रहा है. नोएडा में चल रहे इस आंदोलन की शुरुआत 7 अप्रैल को गुरुग्राम के मानेसर इलाके से हुई थी, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू किया था.इसके बाद यह विरोध धीरे-धीरे नोएडा और फिर ग्रेटर नोएडा पहुंचा. अब इस आंदोलन का असर गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ तक में भी दिखाई दे रहा है. आज बड़ी संख्या में बुलंदशहर और गाजियाबाद में श्रमिकों ने प्रदर्शन किया और सड़कों को जाम कर दिया. गाजियाबाद में स्थिति इतनी खराब हो गई कि नोएडा-गाजियाबाद बॉर्डर पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया. जान लीजिए नोएडा में यह आंदोलन 9 अप्रैल को फेस-टू थाना क्षेत्र में मौजूद होजरी कंपलेक्स से शुरू हुआ. जहां गारमेंट और होजरी यूनिट्स में काम करने वाले मजदूर फैक्ट्रियों के बाहर इकट्ठा हुए. वो वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए. शुरुआत में यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण था. मजदूरों ने नारेबाजी और बातचीत के जरिए अपनी बात रखने की कोशिश कीअप्रैल से लेकर 11 अप्रैल तक आंदोलन बिना किसी हिंसा के चलता रहा. हालांकि, मजदूरों का कहना था कि उनकी मांगों पर कंपनियों और प्रशासन की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके बीच असंतोष लगातार बढ़ता गया.मजदूरों के आंदोलन की स्थिति ने 12 अप्रैल को बड़ा मोड़ लिया. ग्रेटर नोएडा के इकोटेक थर्ड इलाके में प्रदर्शन के दौरान मिंडा कंपनी के पास हालात अचानक बिगड़ गए. इस दौरान पुलिस कार्रवाई में गोली चलने की घटना सामने आई, जिसमें एक महिला मजदूर को गोली लग गई.यह घटना पूरे आंदोलन के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. जैसे ही गोलीकांड की खबर फैली, मजदूरों में भारी आक्रोश फैल गया और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया. अगले ही दिन 13 अप्रैल यानी सोमवार की सुबह नोएडा के फेस-2, सेक्टर-62 और एनएच-9 जैसे प्रमुख इलाकों में हजारों मजदूर सड़कों पर उतर आए. इससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दी. डिवाइडर पर चढ़कर नारेबाजी की. कई जगह वाहनों को रोक दिया. इस दौरान हालात तेजी से बिगड़े और कई जगह तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आईं. नोएडा के फेस-2 इलाके में कई वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया. इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पुलिस और मजदूर आमने-सामने आ गए. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े. भारी पुलिस बल की तैनाती के बाद किसी तरह हालात को काबू में लाया गया, लेकिन तनाव अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. इस आंदोलन का सीधा असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक ढांचे पर पड़ा. फेस-2 के होजरी कंपलेक्स में करीब 500 कंपनियां संचालित होती हैं. वहीं, इकोटेक थर्ड के औद्योगिक क्षेत्र में भी करीब 400 से अधिक फैक्ट्रियां और निजी कंपनियां हैं. इनमें सैकड़ों की संख्या में मजदूर काम करते हैं. दोनों प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को अस्थायी रूप से काम बंद करना पड़ा. यह आंदोलन किसी एक कंपनी के खिलाफ नहीं, बल्कि कई कंपनियों के मजदूरों का सामूहिक विरोध है. अब इसका असर पूरे एनसीआर में दिखने लगा है. गाजियाबाद, बुलंदशहर और हापुड़ जैसे जिलों में भी मजदूर सक्रिय हो गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में आंदोलन और व्यापक होने की आशंका है. मजदूरों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना, ओवरटाइम का भुगतान दोगुनी दर से करना, साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना, समय पर वेतन भुगतान, सैलरी स्लिप देना और बोनस को सीधे बैंक खाते में समय पर भेजना शामिल है. उनका कहना है कि महंगाई के इस दौर में मौजूदा वेतन से गुजारा संभव नहीं है. आपको बता दें राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में न्यूनतम वेतन देश में सबसे अधिक है भाजपा के लिए परेशानी बढ़ेगी क्योंकि ये चारो राज्य भाजपा शासित हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर इन राज्यों की बैठकें कर स्थिति को संभालने की कोशिश होगी। मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए लेकिन उद्योगों की भी सुरक्षा होनी चाहिए। पिछले कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में जिस तरह आग फैली है उसमें राजनीतिक मंशा देखी जा रही है क्योंकि अगले साल की शुरूआत में ही वहां चुनाव है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम:महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदम

-आरती सिंह राव
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान एवं आयुष मंत्री

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' एक युगांतरकारी पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करता है, जो केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। इसका उद्देश्य महिलाओं को नीति के लाभार्थी से नीति निर्माता बनने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे देश के विकास की आधारशिला में सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस अधिनियम के लागू होने से शासन की प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, जल और स्वच्छता जैसे विषय अधिक प्राथमिकता प्राप्त करते हैं। स्थानीय निकायों में महिलाओं के आरक्षण के सकारात्मक अनुभव पहले ही यह साबित कर चुके हैं कि महिला नेतृत्व से नीतियां अधिक जन-केंद्रित और प्रभावी बनती हैं। अब यही प्रभाव संसद और विधानसभाओं में भी दिखाई देगा, जिससे विकास की दिशा अधिक संतुलित और समावेशी होगी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों ने इस परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है। 22 जनवरी, 2015 को 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत की गई थी, इस अभियान से सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाया है और लड़कियों की शिक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत करोड़ों खातों के माध्यम से बेटियों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा मिली है। उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बदलाव का स्पष्ट संकेत देती है। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को पोषण सहायता मिल रही है, जबकि पोषण 2.0 के तहत लाखों आंगनवाड़ी केंद्रों के जरिए करोड़ों लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। इन प्रयासों का

परिणाम मातृ-मृत्यु दर में कमी के रूप में सामने आया है, जो महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन के तहत कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें जननी सुरक्षा योजना एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बीपीएल/एससी परिवारों की महिलाओं को सरकारी संस्थान में प्रसव पर 700 रुपये तथा शहरी क्षेत्रों में 600 रुपये की सहायता दी जाती है, जबकि घर पर प्रसव के लिए बीपीएल परिवारों को 500 रुपये प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, राज्य योजना के तहत एससी वर्ग की गर्भवती महिलाओं को सरकारी या निजी संस्थानों में प्रसव पर 1,500 रुपये की नकद सहायता मिलती है। इसी प्रकार, 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क सेवाएं दी जाती हैं, जिनमें दवाइयाँ, जांच, भोजन, रक्त की सुविधा और परिवहन शामिल हैं, जिससे इलाज पर होने वाला खर्च पूरी तरह समाप्त हो जाता है। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल प्रदान करने पर केंद्रित है। इस योजना के तहत हर महीने निर्धारित दिनों (9, 10, 23 तारीख और अंतिम कार्य दिवस) पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच, स्क्रीनिंग और उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (त्च) के लिए प्रत्येक विज़िट पर 100 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जो अधिकतम 300 रुपये तक है। ये सभी योजनाएँ मिलकर देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने और महिलाओं को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। देशभर में महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, जिसका मु य कारण एचपीवी के उच्च-जोखिम प्रकारों से होने वाला संक्रमण है। इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए भारत सरकार ने एचपीवी टीकाकरण को एक प्रभावी रोकथाम उपाय के रूप में अपनाया है, जिससे भविष्य में कैंसर के मामलों को कम किया जा सके। वैश्विक स्तर पर सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन की रणनीति के तहत एचपीवी टीकाकरण को एक मजबूत स्त भ माना गया है। लक्ष्य रखा गया है कि वर्ष 2030 तक 15 वर्ष की आयु तक कम से कम 90 प्रतिशत लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन दी जाए। इसी दिशा में, वर्ष 2026 में विशेष अभियान जो तीन महीनों की अवधि में एक विशेष राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में लागू किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों को टीकाकरण के लिए पात्र माना गया है और ळंतकेंपस-4 वैक्सीन की सिंगल-डोज़ व्यवस्था अपनाई गई है। हरियाणा राज्य में लगभग 2.4 लाख किशोरियों को इस अभियान के तहत कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की शुरुआत के बाद से अब तक 6,500 से अधिक पात्र लाभार्थियों को टीका लगाया जा चुका है। यह पहल न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। केन्द्र सरकार द्वारा नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत संचालित आशा कार्यकर्ता ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं। ये समुदाय और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच सेतु का कार्य करती हैं तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, जागरूकता और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

स्वास्थ्य का बाजार एवं दम तोड़ती आम आदमी की उम्मीदें

- दिलीप कुमार पाठक

हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं कि पहला सुख निरोगी काया, लेकिन आज की हकीकत को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब निरोगी वही रह सकता है जिसकी जेब में मोटा पैसा हो। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी एक बड़ी आबादी छोटी-सी बीमारी के इलाज के खर्च से घबराती है, वहाँ विश्व स्वास्थ्य दिवस जैसे आयोजन महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। असलियत तो यह है कि आज के दौर में जान है तो जहान है वाली बात अब अस्पतालों के भारी-भरकम बिलों के बीच कहीं दम तोड़ती नजर आती है। क्या हम वास्तव में स्वस्थ हो रहे हैं या सिर्फ दवाइयों के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं जिसका दूसरा सिरा कंगाली की ओर जाता है? आज चिकित्सा का पूरा क्षेत्र चकाचौंध भरे कारोबार में बदल चुका है। बड़े शहरों में फाइव स्टार होटलों जैसे दिखने वाले अस्पताल तो खड़े हो गए हैं, लेकिन वहां का दरवाजा खटखटाने से पहले एक आम आदमी दस बार अपनी खाली जेब टटोलता है। मध्यमवर्गीय परिवारों की बरसों की गाढ़ी कमाई एक गंभीर बीमारी के इलाज में चंद दिनों में हवा हो जाती है। हमारे यहाँ कहावत है गरीबी में आटा गीला, और आज के दौर में बीमारी वही काम कर रही है। सरकारी अस्पतालों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है, जहाँ लंबी कतारें और संसाधनों की कमी मजबूरन आदमी को निजी अस्पतालों की लूट की तरफ धकेल देती है।

चिकित्सा की संवेदनशीलता किस कदर खत्म हो रही है, इसका कड़वा अनुभव मुझे हाल ही में एक सामान्य खांसी के दौरान हुआ। एक मामूली खांसी के इलाज के लिए मुझे महीने भर के भीतर तीन डॉक्टर बदलने पड़े, क्योंकि हर बार मर्ज कम होने के बजाय दवाओं का बोझ और जांचों की लंबी फेहरिस्त बढ़ती गई। विडंबना देखिए कि आज डॉक्टर का आश्वासन मरीज को ढांढस बंधाने के बजाय उसकी चिंता और बीमारियां बढ़ा देता है। डॉक्टर अब मरीज की नब्ज से ज्यादा उसकी आर्थिक हैसियत टटोलते नजर आते हैं। जब एक छोटी-सी खांसी के लिए इंसान को हफ्तों भटकना पड़े और भारी-भरकम फीस चुकानी पड़े, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी गंभीर बीमारी में एक आम आदमी की रूह कितनी कांपती होगी। आज डॉक्टर और मरीज के बीच का वह पवित्र भरोसा व्यावसायिकता की भेंट चढ़ चुका है। गाँवों की स्थिति और भी विकट है, जहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अक्सर खुद ही बीमार नजर आते हैं। वहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण नीम-हकीमों का धंधा फल-फूल रहा है और बेचारा ग्रामीण मरीज शहर के चक्कर काटते-काटते अपनी जमीन-जायदाद तक से हाथ धो बैठता है। चिकित्सा व्यवस्था का ऐसा चरमराना केवल एक विभाग की विफलता नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह है। दवाइयों की पर्ची अब एक डरावने बिल की तरह लगती है जिसे देख मरीज का आधा खून सूख जाता है। सरकारी तंत्र की ढिलाई ने गली-मोहल्लों में ऐसे क्लीनिक खड़े कर दिए हैं जो इलाज के नाम पर सिर्फ वक्त और पैसा बर्बाद करते हैं। रसूखदारों के लिए तो यहाँ हर बिस्तर खाली है, लेकिन एक लाचार नागरिक के लिए सरकारी अस्पताल के स्ट्रेचर तक पहुंचना भी किसी जंग को जीतने जैसा है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ साँसों की कीमत केवल नोटों के बंडल तय करेंगे? संवेदनहीनता का यह वायरस आज चिकित्सा जगत की सबसे बड़ी बीमारी बन चुका है, जिसका इलाज किसी अस्पताल के पास नहीं है।

निजी अस्पतालों में कमीशन का खेल और दवाओं के नाम पर जो लूट चल रही है, वह किसी आम नागरिक के पल्ले नहीं पड़ती। अंधेर नगरी चौपट राजा वाली तर्ज पर दवाओं के दाम और इलाज का खर्च आज एक ऐसी कड़वी सच्चाई बन चुके हैं, जो किसी भी हंसते-खेलते परिवार को कर्ज के गहरे गड्ढे में धकेल सकते हैं। शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ आजकल मानसिक तनाव, शुगर और बीपी जैसी बीमारियाँ घर-घर की कहानी बन गई हैं। प्रदूषण और मिलावटी खान-पान हमारे शरीर में धीरे-धीरे जहर घोल रहे हैं और हम बीमार होने के बाद लाखों लुटाने को तो तैयार हैं, लेकिन स्वस्थ रहने के लिए अपनी आदतों में बदलाव करने को तैयार नहीं हैं। स्वास्थ्य सेवाओं का इस तरह अंधाधुंध निजीकरण होना हमारे लोकतंत्र एवं समाज के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य कोई बाजार में बिकने वाली लग्जरी चीज नहीं है जिसे केवल रईस लोग ही खरीद सकें, बल्कि यह हर नागरिक का संवैधानिक हक है। सरकार को स्वास्थ्य बजट में कंजूसी छोड़नी होगी और दवाओं के दाम पर कड़ा हंटर चलाना होगा। डॉक्टरों को भी उस शपथ की लाज रखनी होगी जो उन्होंने इस पेशे में कदम रखते समय ली थी। असली स्वस्थ भारत तभी बनेगा जब इलाज किसी के लिए कंगाली का कारण न बने।

नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार:आत्मसमर्पण, गिरफ्तारियां एवं विकास ने बदली तस्वीर

शशिकांत उपाध्याय

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के रणनीतिक नेतृत्व, स्पष्ट नीति और बहुस्तरीय दृष्टिकोण के चलते देश में नक्सलवाद का खात्मा हो गया। 31 मार्च, 2026 की तारीख उन्होंने तय की थी और 30 मार्च को ही संसद में अपने वक्तव्य के माध्यम से पूरे देश को सुखद सूचना दी कि देश अब नक्सलवाद के दंश से मुक्त हो गया है। केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों और आपसी समन्वय से सुरक्षा, विकास और पुनर्वास को साथ लेकर चलने की उनकी रणनीति ने जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम दिए हैं। क्रमवार तरीके से हिंसा में ऐतिहासिक गिरावट आई है, जबकि आत्मसमर्पण और गिरफ्तारियों के आंकड़ों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। कड़ों के अनुसार, वर्ष 2010 के उच्च स्तर की तुलना में 2024 तक नक्सली घटनाओं में लगभग 80 प्रतिशत और मौतों में करीब 85 प्रतिशत की कमी आई है। नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी 126 से घटकर केवल 38 रह गई है। यह परिवर्तन किसी एक पहल का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुविचारित और लगातार लागू की गई रणनीति का नतीजा है। हाल के वर्षों में यह सुधार और तेज हुआ है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच हिंसक घटनाएं 501 से घटकर 374 हो गईं, जो लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाती हैं। इसी अवधि में नागरिकों और सुरक्षाबलों की मौतें 202 से घटकर 150 सालाना रह गईं। यह संकेत है कि न केवल घटनाएं कम हुई हैं, बल्कि उनकी तीव्रता और प्रभाव भी घटा है।सबसे महत्वपूर्ण बदलाव नक्सलियों के व्यवहार में आया है। अब बड़ी संख्या में उग्रवादी मुख्यधारा में लौट रहे हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में 290 नक्सली मारे गए, जबकि 1,090 गिरफ्तार हुए और 881 ने आत्मसमर्पण किया। वहीं 2025 में (सितंबर तक) 270 मारे गए, 680 गिरफ्तार हुए और 1,225 ने आत्मसमर्पण किया। यह तथ्य अपने आप में इस

बात का प्रमाण है कि सरकार की नीति का असर सीधे जमीनी कैडरों पर पड़ा है। वे हथियार छोड़कर सामान्य जीवन की ओर लौटने लगे। यह बदलाव केवल सुरक्षा बलों की कार्रवाई का परिणाम नहीं है, बल्कि विकास के साथ विश्वास की नीति का भी असर है। अमित शाह की अगुवाई में अपनाई गई रणनीति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नक्सलवाद का समाधान केवल बंदूक से नहीं, बल्कि विकास, संवाद और पुनर्वास के संतुलित प्रयासों से ही संभव है। छत्तीसगढ़, जो कभी नक्सलवाद का गढ़ माना जाता था, वहां भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। वर्ष 2024 में जहां 290 नक्सली मारे गए, वहीं 1,000 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर क्षेत्र में तो समूह के समूह आत्मसमर्पण कर रहे हैं। दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ से जुड़े 200 से अधिक कैडरों ने एक साथ आत्मसमर्पण कर संविधान के प्रति आस्था जताई—यह बदलाव का एक ऐतिहासिक प्रतीक माना जा रहा है। सरकार की पुनर्वास योजनाओं का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आत्मसमर्पण करने वाले कई पूर्व उग्रवादी अब बस्तर कैफे जैसे उद्यम चला रहे हैं, वहीं कुछ बस्तर फाइटर्स के रूप में सुरक्षा बलों में शामिल होकर समाज की सेवा कर रहे हैं। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भी बड़ी सफलता मिली है। शीर्ष माओवादी नेतृत्व का तेजी से सफाया हुआ है। हाल ही में (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया गया। पिछले चार वर्षों में केंद्रीय समिति के 18 से अधिक सदस्य मारे गए या गिरफ्तार हुए हैं। इससे संगठन की कमर टूट चुकी है।विकास कार्यों ने भी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की तस्वीर बदल दी है। सरकार की क्लियर, होल्ड एंड डेवलप रणनीति के तहत सुरक्षा के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में 8,300 किलोमीटर से अधिक नई सड़कें बनाई गई हैं, जबकि 2014 से अब तक कुल 14,618 किलोमीटर सड़क निर्माण हुआ है। दूरसंचार क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है—7,768 मोबाइल टावर स्थापित किए गए हैं, जिससे दूरदराज के इलाकों में 4ळ कनेक्टिविटी पहुंची है।

बैंकिंग सेवाओं का विस्तार करते हुए 1,007 नई बैंक शाखाएं और 937 एटीएम खोले गए हैं। साथ ही हजारों बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट गांव-गांव में सेवाएं दे रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में 95 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, 46 आईटीआई और 49 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 186 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हजारों पक्के घर बनाए गए हैं, जिससे आदिवासी क्षेत्रों में लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। वहीं 596 आधुनिक पुलिस थाने स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सुरक्षा अभियानों में भी बड़ा बदलाव आया है। सरकार ने सुरक्षा बलों को पूरी ऑपरेशनल स्वतंत्रता दी है, जिससे त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो पाई है। मल्टी-एजेंसी समन्वय, आधुनिक तकनीक, ड्रोन निगरानी और खुफिया नेटवर्क के कारण नक्सली गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वहीं, एनआईए और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों ने नक्सलियों की फंडिंग पर कड़ा प्रहार किया है। हथियारों की आपूर्ति और वित्तीय नेटवर्क को काफी हद तक ध्वस्त कर दिया गया है।आज जब नक्सल हिंसा सिमट रही है और आत्मसमर्पण के आंकड़े बढ़ रहे हैं, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि देश नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ रहा है—और इस बदलाव के केंद्र में है एक स्पष्ट दृष्टि, मजबूत इच्छाशक्ति और ठोस रणनीतिक नेतृत्व।

लेखक सीआरपीएफ में आईजी रह चुके हैं।

नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी काबू

5 किलो 64 ग्राम गांजा व मोटरसाइकिल बरामद

करनाल, 16 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : जिला पुलिस करनाल ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने थाना रामनगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपियों के कब्जे से 5 किलो 64 ग्राम गांजा और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष निवासी गुरुनानकपुरा कॉलोनी, पिंगली चौक करनाल तथा हिमांशु निवासी गुरुनानकपुरा कॉलोनी, पिंगली चौक करनाल के रूप में हुई है। यह कार्रवाई एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज उप निरीक्षक हिम्मत सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान दोनों आरोपियों को संदिग्ध अवस्था में काबू किया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से गांजा फूल-पत्ती और मोटरसाइकिल बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे जल्दी पैसा कमाने और अपने शौक पूरे करने के लिए गांजा तस्करी में संलिप्त थे। इस संबंध में थाना रामनगर में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से गहन पूछताछ कर सप्लाई नेटवर्क और अन्य संलिप्त व्यक्तियों का पता लगाया जाएगा। जिला पुलिस करनाल ने आमजन से अपील की है कि नशा तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाने के प्रयासों को और मजबूती मिल सके।

सड़क किनारे बना नाले का ढक्कन पूरी तरह से उखड़ा, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा!

स्थानीय लोग बोले : यह समस्या कोई नई नहीं है, कई दिनों से टूटा पड़ा है यह ढक्कन, प्रशासन बेसुध

निसिंग, 16 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : करनाल-कैथल स्टेट हाईवे पर लापरवाही की एक खतरनाक तस्वीर सामने आई है, जहां सड़क किनारे बना नाले का ढक्कन पूरी तरह उखड़ा हुआ पड़ा है। ढक्कन एक तरफ झुका हुआ है और नीचे गहरा गड्ढा खुला पड़ा है, जो सीधे तौर पर राहगीरों और वाहन चालकों की जान के लिए खतरा बना हुआ है। पावर हाउस के पास हालात इतने खतरनाक हो चुके हैं कि यहां हर गुजरने वाला व्यक्ति दहशत में है। कांटे के आगे सड़क किनारे बने नाले का भारी-भरकम ढक्कन पूरी तरह उखड़कर एक तरफ लटक गया है और नीचे खुला गड्ढा सीधे मौत को न्योता दे रहा है ।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह स्थान बेहद व्यस्त है। यहां रोजाना ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, ट्रकों और अन्य वाहनों की लंबी लाइन लगती है, जो कांटे पर वजन करवाने के लिए घंटों खड़ी रहती हैं। जरा सी चूक, हल्का सा धक्का या रात के अंधेरे में नजर चूकना और सीधा वाहन इस खतरनाक गड्ढे में जा सकता है।

प्रशासन की लापरवाही या हादसे का इंतजार : स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। कई दिनों से ढक्कन टूटा पड़ा है, लेकिन न तो इसे ठीक किया गया और न ही आसपास कोई चेतावनी बोर्ड, बैरिकेड या सुरक्षा इंतजाम लगाए गए हैं। सवाल उठता है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। दिन में तो फिर भी लोग संभलकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय यहां खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

कामाख्या के अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन में शक्ति राइज ग्लोबल फाउंडेशन की संस्थापिका आचार्या सुदेश शर्मा सम्मानित

कुरुक्षेत्र, 16 अप्रैल (करणदीप सिंह) : भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और ज्योतिष के प्रचार-प्रसार हेतु असम के पावन शक्तिपीठ कामाख्या में आयोजित एकादश अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन में हरियाणा के कुरुक्षेत्र की सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या एवं अधिवक्ता आचार्या सुदेश शर्मा को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। भारतीय वैदिक ज्योतिष संस्थानम द्वारा आयोजित इस भव्य राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के जाने-माने विद्वानों, ज्योतिषियों और शोधकर्ताओं ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान ज्योतिष शास्त्र के आधुनिक संदर्भों और इसकी महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। शक्ति राइज ग्लोबल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं संस्थापिका आचार्या सुदेश शर्मा (एडवोकेट) को ज्योतिष के क्षेत्र में उनके गहन शोध, ज्ञान और समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए मुख्य अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि आचार्या सुदेश शर्मा न केवल कानूनी क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हैं, बल्कि वे ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से भी समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनकी संस्था शक्ति राइज ग्लोबल फाउंडेशन महिलाओं के सशक्तिकरण और भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्यरत है। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे विद्वानों का सम्मान करना न केवल ज्योतिष विद्या का सम्मान है, बल्कि यह नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित भी करता है। अपनी इस उपलब्धि पर आचार्या सुदेश शर्मा ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया।

वैदिक स्कूल की दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

असंध, 16 अप्रैल (दलसिंह मान) : सीबीएसई द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में वैदिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बल्ला ने 100 प्रतिशत परिणाम देकर एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को सिद्ध किया है।

सत्र 2025-26 का यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, अनुशासन और समर्पित शिक्षकों के प्रयासों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। वसीम ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रिया ने 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि खुशी ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अन्य विद्यार्थियों में पुनीत ने 86 प्रतिशत, रुद्र ने 86 प्रतिशत, अंशिका ने 85.4 प्रतिशत, रिद्धि ने 85 प्रतिशत, सारिका ने 83.4 प्रतिशत, खुशी (पुत्री श्री श्याम) ने 83.2 प्रतिशत, स्वाति ने 83 प्रतिशत, सागर ने 82.6 प्रतिशत, अंशिका ने 82.6 प्रतिशत, मीनू ने 82.4 प्रतिशत, प्रिंस ने 81.8 प्रतिशत, निकुंज ने 81.6 प्रतिशत, गरिमा ने 81.4 प्रतिशत तथा ललित ने 80.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति मान ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने, लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय प्रबंधन ने भी इस अभूतपूर्व सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। वैदिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बल्ला भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा।

नागरिकों की समस्याओं का शीघ्रता से निपटारा करें अधिकारी : डीसी अपराजिता

कैथल, 16 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविरों में आने वाली नागरिकों की शिकायतों का निपटारा सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ शीघ्रता से किया जाए। शिकायतों के समाधान के दौरान संबंधित नागरिक से संवाद बनाए रखें और उन्हें उनकी शिकायत पर की जा रही कार्रवाई की पूरी जानकारी देकर संतुष्ट करें, ताकि समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में वीरवार को समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम संजय कुमार डीएसपी सुशील प्रकाश ने लोगों की समस्याएं सुनीं गई। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शिविर के दौरान वार्ड नंबर नौ की गली नंबर छह में खराब पेयजल की समस्या को लेकर अपनी शिकायत रखी। जिस पर एसडीएम संजय कुमार ने संबंधित विभाग को जल्द समाधान के निर्देश दिए। डीसी ने अपने संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक सोमवार और वीरवार को जिला एवं उपमंडल मुख्यालयों पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहकर शिकायतों का निपटारा कर रहे हैं। जिन मामलों में दस्तावेजी या तकनीकी प्रक्रिया आवश्यक है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। जिला मुख्यालय के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर आयोजित किए गए, जहां संबंधित अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी की स्नेहा कामरा 98.4 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम

तरावड़ी, 16 अप्रैल (छाया शर्मा) : सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के साथ विद्यालय ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली को साबित किया है। घोषित परिणाम में 9 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 35 प्रतिशत विद्यार्थियों ने मेरिट हासिल की। इसके अलावा 42 प्रतिशत विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन प्राप्त की और कुल 75 प्रतिशत विद्यार्थी मेरिट के साथ उत्तीर्ण हुए। विद्यार्थियों के इस बेहतरीन प्रदर्शन से स्कूल में खुशी और उत्साह का माहौल बना हुआ है। यदि टॉपर्स की बात करें तो स्नेहा कामरा ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। दीपांशी गर्ग ने 96.2 प्रतिशत, गोपाल राणा ने 95.6 प्रतिशत और भानु प्रताप सिंह ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। विषयवार परिणाम भी बेहद प्रभावशाली रहा। कंप्यूटर विषय में स्नेहा कामरा, भानु प्रताप सिंह, गोपाल राणा और अवनी ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि 23 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। इंग्लिश में स्नेहा कामरा ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और 23 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। हिंदी विषय में दीपांशी गर्ग और गोपाल राणा ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, वहीं 15 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। विज्ञान विषय में स्नेहा कामरा और भानु प्रताप सिंह ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि 9 विद्यार्थी 90 प्रतिशत से ऊपर रहे। सामाजिक विज्ञान में स्नेहा कामरा ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और 10 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। गणित विषय में भी स्नेहा कामरा ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय के निर्देशक हनी चौधरी, निर्देशिका पिथी चौधरी एवं प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों और अभिभावकों का मुंह मीठा करवा कर इस शानदार सफलता का जश्न मनाया गया।

दसवीं कक्षा में एस.एम.एस. स्कूल का आदित्य प्रथम, पारस द्वितीय व तुलसी तृतीय

तरावड़ी, 16 अप्रैल (छाया शर्मा) : एस.एम.एस. मैमोरियल पब्लिक स्कूल तरावड़ी में दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम का जश्न मनाया। इस दौरान स्कूल प्रबंधन ने अध्यापकों व अभिभावकों को मिठाई खिलाकर बधाई दी। कक्षा दसवी में सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। कक्षा दसवीं में आदित्य ने प्रथम स्थान, पारस ने द्वितीय स्थान तथा तुलसी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रबंधक गुरशरण ग्रेवाल ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और अध्यापकों को इस शानदार परिणाम के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल अच्छे अंक दिलाना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफल हो सकें। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. विभा कौशिक ने भी सभी विद्यार्थियों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम उनके निरंतर परिश्रम, अनुशासन और लगन का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे इसी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें और जीवन में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत ही इस सफलता की असली नींव है। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए मिठाई बांटी गई। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में बच्चों के मानसिक विकास पर रहेगा विशेष फोकस : एडीसी

कैथल, 16 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : जिले में 8 वें राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा (9 से 23 अप्रैल 2026) के सफल आयोजन को लेकर एडीसी डा. सुशील कुमार की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में बैठक का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लेकर पखवाड़े की रूपरेखा और गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। एडीसी सुशील कुमार ने कहा कि इस वर्ष पोषण पखवाड़ा की थीम 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देना रखी गई है, जिस पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। क्योंकि जीवन के शुरुआती वर्षों में बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने, कुपोषित बच्चों की पहचान और टीकाकरण पर जोर देने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार शिक्षा विभाग को स्कूलों में पोषण जागरूकता अभियान, म्जि, पोस्टर मेकिंग और योग गतिविधियां आयोजित करने को कहा गया।

वहीं पंचायती राज विभाग को गांव स्तर पर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। आयुष विभाग को योग प्रशिक्षण और औषधीय पौधों के उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। खेल विभाग को खिलाड़ियों के माध्यम से साइकिल रैली निकालकर संतुलित आहार और जंक फूड से दूरी का संदेश देने को कहा गया। बैठक में महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी ने अब तक आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आगामी योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। बैठक के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों को पोषण शपथ दिलाई गई और अभियान को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर डीडीपीओ रितु लाठर, सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला, जिला आयुष अधिकारी डॉ. शकुंतला, डॉ. नवराज, एआईपीआरओ अमित कौशिक, डीपीएमओ मनोज कुमार, प्रभात कोच तथा डब्ल्यूसीडीपीओ कंचन बाला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

99.2 प्रतिशत अंक लेकर आइंस्टाइन वर्ल्ड स्कूल के रचित मल्होत्रा बने करनाल टॉपर, जश्न का माहौल

निदेशक स्वाति मलिक बोली : यह गर्व का क्षण, हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं बच्चे

तरावड़ी, 16 अप्रैल (छाया शर्मा) : सीबीएसई बोर्ड की 10वीं कक्षा के परिणाम में आइंस्टाइन वर्ल्ड स्कूल का नाम पूरे करनाल जिले में चमक उठा। आइंस्टाइन वर्ल्ड स्कूल के मेधावी छात्र रचित मल्होत्रा ने शानदार 99.2 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्कूल के साथ-साथ पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया। सिर्फ रचित ही नहीं, बल्कि स्कूल के अन्य छात्रों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सफलता की नई कहानी लिखी। अंशुमन मलिक ने 95.2 प्रतिशत अंक, देव ने 95.8 प्रतिशत, सारिका ने 94.2 प्रतिशत, प्रभनूर सिंह ने 92.2 प्रतिशत, टिया ने 92.2 प्रतिशत, आंचल ने 91.2 प्रतिशत और तेजस ने 90.2 प्रतिशत अंक हासिल कर यह साबित कर दिया कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। कुल 27 विद्यार्थियों में से 14 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय की गुणवत्ता और शिक्षा स्तर को उजागर किया। परिणाम घोषित होते ही स्कूल परिसर में ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न, मिठाइयों की बौछार और खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के निदेशक निशांत मलिक, निदेशक स्वाति मलिक और प्रधानाचार्य श्वेता ढींगड़ा सहित सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। निदेशक स्वाति मलिक ने कहा कि हमारे लिए यह बेहद गर्व का क्षण है कि हमारे बच्चे न सिर्फ पढ़ाई में बल्कि हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये सभी विद्यार्थी प्री-नर्सरी से ही हमारे संस्थान का हिस्सा रहे हैं, जो हमारी शिक्षा प्रणाली और संस्कारों की सफलता को दर्शाता है।

हमारा लक्ष्य सिर्फ अच्छे अंक नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। इस शानदार उपलब्धि ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आइंस्टाइन वर्ल्ड स्कूल नीलोखेड़ी शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

साईंस ओर मैथ में चमके डिवाइन एकेडमी के सितारे, शानदार परिणाम से शहर हुआ गौरवान्वित

तरावड़ी, 16 अप्रैल (छाया शर्मा) : सीबीएसई कक्षा 10वीं के परिणाम में डिवाइन एकेडमी तरावड़ी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सफलता की नई मिसाल कायम की है। गणित विषय में शानदार प्रदर्शन किया है। कनिका एवं करण ने 95 अंक प्राप्त किए। भव्या सनेजा एवं प्रियांशु ने 92, शिम्पी ने 91, निकिता एवं आदित्य शर्मा ने 90, लोकेश ने 87 अंक हासिल किए ।वहीं नव्या, भव्या गर्ग, तेजस्वनी ने 86, घनश्याम, तन्वी, युवराज एवं रॉबिन ने 84, दिव्यम ने 82, दिवांशी ने 81, अर्ज, दीति, गर्वित एवं हर्षा ने 80 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुल 35 विद्यार्थियों ने 70+ अंक प्राप्त कर एकेडमी का नाम रोशन किया। विज्ञान विषय में बेहतरीन उपलब्धि भव्या सनेजा ने 97 अंक प्राप्त कर टॉप किया। प्रियांशु, आदित्य शर्मा एवं कनिका ने 95, निकिता ने 94, भव्या गर्ग ने 93, करण ने 92 अंक हासिल किए। रॉबिन एवं यानिश ने 91, घनश्याम एवं समर ने 90, दीति ने 89, पार्थ एवं हर्ष ने 88, अर्ज ने 87, दिव्यांशी ने 83, मनत ने 82, मानशा एवं युवराज ने 81 अंक प्राप्त किए। विज्ञान विषय में भी 26 विद्यार्थियों ने 70+ अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। इस शानदार परिणाम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि डिवाइन एकेडमी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मेहनत का बेहतरीन उदाहरण है। इस अवसर पर संस्थान के संचालक भवनीश वधवा एवं संचालिका कृतिका वधवा ने सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया,उनका मुंह मीठा करवाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। डिवाइन एकेडमी परिवार को अपने सभी होनहार विद्यार्थियों पर गर्व है।

भगवान कार्तिकेय के मंदिर में महिलाओं का प्रवेश वर्जित

भगवान कार्तिकेय के भारत में अनेकों मंदिर हैं। खासकर दक्षिण भारत में स्वामी कार्तिकेय के अनेकों मंदिर हैं। जहां पर स्वामी कार्तिकेय की पूजा की जाती है। हालांकि वहां पर महिलाओं का जाना वर्जित है। एक ऐसा ही मंदिर पिहोवा के सरस्वती तीर्थ पर स्वामी कार्तिकेय के नाम से जाना जाता है।

हरियाणा के पिहोवा में एक ऐसा मंदिर है, जहां पर महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी लगी है। हालांकि महिलाएं खुद इस मंदिर में नहीं जाना चाहती हैं। इस मंदिर में महिलाओं के न जाने की वजह मंदिर के श्राप को माना जाता है। इस श्राप का डर महिलाओं के दिमाग में इस कदर है कि यहां पर वह खुद से नहीं जाना चाहती हैं। इस मंदिर में महिलाओं के न जाने का क्या कारण है। भगवान कार्तिकेय द्वारा स्त्री को श्राप देना है। पौराणिक मान्यता है कि है कि जब भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती ने भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय से पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा। तो कार्तिकेय जी मोर पर बैठकर पृथ्वी का चक्कर लगाने निकल गए। लेकिन भगवान गणेश मां पार्वती और शिवजी के चक्कर लगाने लगे। तीन चक्कर लगाने के बाद गणेश ने कहा कि उन्होंने संपूर्ण जगत की परिक्रमा कर ली है। जिसके बाद भगवान शिव ने गणेश का राजतिलक कर दिया। साथ ही गणेश जी को शुभ-अशुभ कार्यों में पूजा का अधिकार दे दिया।

इस घटना के बारे में देवर्षि नारद ने भगवान कार्तिकेय को बताया। वहीं कार्तिकेय ने मां पार्वती से कहा का कि माता आपने मेरे साथ छल किया है। बड़ा होने के कारण राजतिलक का अधिकार मेरा था। इस घटना से क्रोधित होकर अपनी खाल और मांस उतारकर माता के चरणों में रख दिए। उन्होंने गुस्से में पूरी नारी जाति को श्राप देते हुए कहा कि जो भी स्त्री उनके इस रूप के दर्शन करेगी, वह सात जन्म तक विधवा रहेगी। हालांकि देवताओं ने कार्तिकेय को शारीरिक शांति के लिए तेल और सिंदूर का अभिषेक किया। वहीं गुस्सा शांत होने के बाद अन्य देवताओं ने भगवान कार्तिकेय को देव सेना का सेनापति बना दिया। इसी मान्यता को देखते हुए सिर्फ पुरुष ही भगवान कार्तिकेय के पिंडी रूप के दर्शन कर सकते हैं। वहीं महिलाएं यहां पर दर्शन नहीं कर सकती हैं।

ये पेड़ होते हैं औषधीय गुणों से भरपूर --प्रकृति में ऐसे अनेकों पेड़ पौधे पाए जाते हैं। कुछ ऐसे ही पेड़ हैं शहतूत, नील आदि। इनके उपयोग से अनेकों आयुर्वेदिक दवाइयां भी बनाई जाती है। जिनसे बीमारियों को ठीक करने में सहायता मिलती है।

शहतूत = शहतूत का पेड़ अपने स्वादिष्ट फलों, औषधीय गुणों और रेशम उत्पादन के लिए जाना जाता है। यह एक बहु उपयोगी पौधा है। शहतूत वृक्ष रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। इसकी छाल और जड़ का उपयोग आयुर्वेदिक और हर्बल दवाओं में किया जाता है। वहीं, पत्तियों से बनी चाय शरीर को डिटॉक्स करने में सहायक होती है।

नीम =नीम के पेड़ की पत्तियां फोड़े-फुंसी, खुजली में फायदेमंद होता है और यही ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करते हैं। नीम लिवर को डिटॉक्स करता है और विषैले तत्वों को बाहर निकालता है। नीम की पत्तियां मुहांसे, झाइयां और संक्रमण कम करने में सहायक है। इसके अलावा नीम का तेल डैंड्रफ और सिर की खुजली दूर करने में उपयोगी। नीम का पेस्ट घावों और जलन में राहत देता है।

अरंडी = अंरडी एक बहुपयोगी औषधीय गुणों वाला पौधा है। अरंडी के बीजों से प्राप्त होने वाले तेल की डिमांड मार्केट में काफी अधिक रहती है। यह तेल औषधिय गुणों से भरपूर होता है। इसके उपयोग से अनेकों सौंदर्य उत्पाद भी बनाए जाते हैं। यह कब्ज को दूर करने का काम भी करता है। इसका तेल शरीर में मालिश करने पर गठिया और सूजन में राहत देता है। इसके अलावा त्वचा को मॉइस्चराइज़ करता है और बालों की वृद्धि में मदद करता है।

कामधेनु गाय देती है शुभ फल - हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का महत्व काफी ज्यादा बताया गया है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन किया जाता है तो इसके परिणाम काफी शुभ और सकारात्मक होते हैं. वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी उतने ही बुरे हो सकते हैं। सनातन धर्म के अनुसार कामधेनु गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है। इसे घर पर रखने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है। वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो जब आप इसे रखते हैं तो इससे सुख समृद्धि का वास आपके घर पर होता है.

किस जगह रखें कामधेनु की मूर्ति?

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको कामधेनु गाय की मूर्ति को अपने घर के ईशान कोण में रखना चाहिए। इसे सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। आप अगर चाहें तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूजास्थल या फिर मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। अगर आप मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो ऐसे में तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना जाता है.

अगर आप अपने घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह सोना, चांदी, पीतल, तांबे या फिर मार्बल की बनी हुई हो। आप अगर चाहें तो चीनी मिटटी से बनी मूर्ति भी अपने घर पर रख सकते हैं। अगर आप अपने घर में सही जगह पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करते हैं तो इससे आपको वास्तु दोषों से छुटकारा मिल सकता है। केवल यहीं नहीं, जब आप इसे अपने घर पर रखना शुरू कर देते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाती है।

पंचमुखी हनुमान को माना जाता है साहस, शक्ति एवं रक्षा का प्रतीक

हिंदू धर्म में पंचमुखी हनुमान को साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी के पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय होती है। हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन बहुत से लोग घरों में भी पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं।हनुमान जी के पांच मुख उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख और पूर्व दिशा हनुमान जी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कहा जाता है कि अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सही तरीके व सम्मान से नहीं की जाए, तो इसको भूलकर भी घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। दरअसल, पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं होता है।

घर में क्यों नहीं रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर

हनुमान जी का पंचमुखी स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से घर का माहौल अशांत और उग्र हो सकता है। खासकर यदि पंचमुखी हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा न की जाए। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा करना आसान नहीं होता है, इनकी पूजा के कुछ विशेष नियम होते हैं। ऐसे में सब लोग इन नियमों का सभी लोग पालन नहीं कर पाते हैं। अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में कोई कमी होती है, तो इससे जीवन में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान

बता दें कि घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को रखने से सही दिशा और स्थान का चयन जरूर कर लें। ज्योतिष और वास्तु के मुताबिक गलत दिशा और स्थान पर हनुमान जी के इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में पॉजिटिव ऊर्जा की जगह वास्तु दोष पैदा हो सकता है।

अक्सर लोग पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति को घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। लेकिन यह स्थान उपयुक्त नहीं माना जाता है। ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही से उपयोग नहीं हो पाता है और अंजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है। हनुमान जी के इस स्वरूप को घर में रखने का उद्देश्य बुरी शक्तियों से बचाव होता है और सकारात्मकता को बढ़ावा देना है। कहां रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मंदिरों में की जाती है। जहां पर उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है। पंचमुखी हनुमान की मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा माना जाता है। जिससे कि उनकी नियम से पूजा की जा सके। कुछ व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, साथ ही यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से भी रखा करती है।

सनातन धर्म में तुलसी का है विशेष महत्व, समृद्धि का प्रतीक

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी हैं। , तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है।

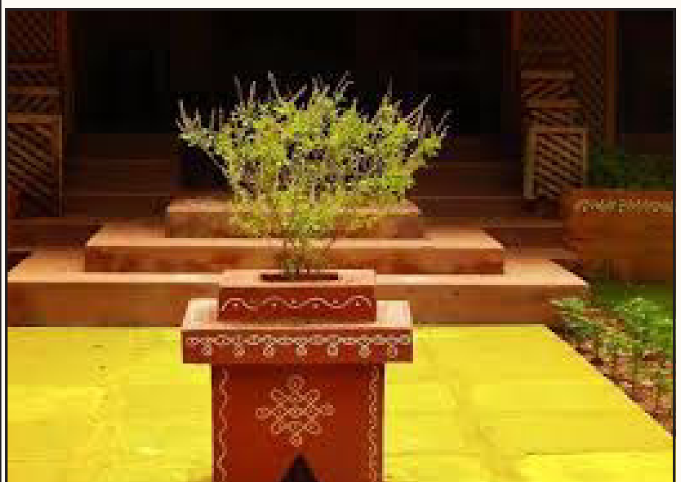

यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है। इसके अलावा तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है। अगर तुलसी पर छिपकली दिखाई दे और वह सुरक्षित रूप से चली जाए, तो इसे शुभ माना जाता है और यह संकेत करता है कि आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं। कुछ संस्कृतियों में, छिपकली को बुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। इसलिए, तुलसी के पास छिपकली का दिखना घर और परिवार की सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लेकिन यदि छिपकली बार-बार तुलसी के पौधे पर आती दिखे, तो यह घर में कलह या विवाद का संकेत हो सकता है। तुलसी में मंजरी आने का मतलब है कि जीवन में आने वाले संकटों से निजात मिलेगी। इसके लिए तुलसी की मंजरी को लाल कपड़े में बांधकर अपने घर के उस स्थान पर रख दें, जहां आप अपना धन रखते हैं। ऐसा करने से आपके घर में मां लक्ष्मी का वास होगा.

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना भी होता है शुभ

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया तिथि का महत्व विशेष माना जाता है। अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त होता है। इस दिन किसी भी समय शुभ कार्य किए जाते हैं। इस शुभ तिथि पर सोना, संपत्ति, भवन और गाड़ी खरीदना शुभ होता है। आइए आपको बताते हैं अक्षय तृतीया के दिन घर में किन चीजों को नहीं रखना चाहिए।

सनातन धर्म में अक्षय तृतीया को बेहद शुभ दिन माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार, इस दिन सोना-चांदी जैसी कीमती वस्तुओं की खरीदारी करने से सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। पंचांग के अनुसार, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया मनाई जाती है। हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया विशेष महत्व माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार, अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त होता है, इस दिन शुभ कार्य किए जाते हैं। अक्षय तृतीया पर सोना, संपत्ति, भवन और गाड़ी खरीदना शुभ होता है। माना जाता है कि इस दिन कोई भी खरीदी हुई चीजे अक्षय यानी कभी नष्ट नहीं होने वाली फल देती है। केवल धन की खरीदारी ही नहीं, वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ चीजें होती है, जो इस दिन से पहले घर से हटा दें, वरना दुर्भाग्य और आर्थिक तंगी का कारण बन जाता है।

ये सामान बाहर करें

बंद पड़ी घड़ियां-वैसे समय का ठहर जाना ही रुकावट का संकेत होता है, जो घड़ियां खराब हो चुकी हैं लेकिन भावनात्मक लगाव के कारण आप उन्हें संभालकर रखे हुए हैं। अब घर से बाहर करें। बंद पड़ी घड़ियां नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है और जीवन में प्रगति के लिए बाधा बन जाती है।

फटे-पुराने और गंदे कपड़े

अगर आपके घर में फटे-पुराने या गंदे कपड़े पड़े हैं, तो उन्हें अक्षय तृतीया से पहले ही फेंक दें। क्योंकि ये आर्थिक तंगी के कारण बन जाते हैं। इसके साथ ही भाग्य भी कमजोर हो जाता है। फटे कपड़ों को न तो पहनें और न ही घर पर संजोकर रखें।

सूखे पौधे और मुरझाए फूल

यदि आपके घर में सूखे पौधों या मुरझाए फूलों का होना दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता है। गुलदस्तों में सूख चुके फूलों को तुरंत हटा दें। मरे इंडोर प्लांट्स को भी उखाड़कर फेंक दें। इस दिन हरे-भरे पेड़ों को जीवंत बनाएं रखें।

टूटी-फूटी झाड़ू

झाड़ू को धन और लक्ष्मी से जुड़ा माना गया है। टूटी-फूटी झाड़ू को घर में न रखें। इससे जीवन में रुकावट पैदा होती है। इसके अलावा यह यह नकारात्मक ऊर्जा का भी स्त्रोत मानी जाती है। अक्षय तृतीया पर नई झाड़ू को खरीदना शुभ माना जाता है।

टूटी चप्पल और बेकार पड़ा सामान-अगर आपके घर में जूतों-चप्पल टूटी रखी हैं, तो आप इन्हें घर से बाहर फेंक दें। क्योंकि टूटी चप्पल दुर्भाग्य को आकर्षित करती है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक और अव्यवस्था लाती है।

इसके अतिरिक्त, घर में रखा टूटा-फूटा और बेकार सामान को भी बाहर फेंक दें। प्लास्टिक, लोहे, स्टील के पुराने डिब्बे, अखबरों को ढेर, यह सब लक्ष्मीजी की कृपा को दूर कर देती हैं।

वास्तु का पड़ता है जीवन पर प्रभाव -हर कोई घर में सुख-शांति और लक्ष्मी का वास चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ आपना घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है। आइए जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें= 1 ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए। 2 अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3 पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए। बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। 4 दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए। 5 बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए। 6 सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

आत्मा का सौंदर्य सत्य का दिव्य प्रतीक माना गया

- कांतिलाल मांडोत

आज का युग विज्ञान का युग है जहाँ प्रत्येक तथ्य को प्रयोग और परिणाम के आधार पर परखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण हमें तर्क करना सिखाता है, परन्तु यह भी सत्य है कि विज्ञान के सिद्धान्त समय के साथ बदलते रहते हैं। जो आज सत्य प्रतीत होता है, वह कल असत्य सिद्ध हो सकता है। किन्तु एक ऐसा तत्व है जो कभी नहीं बदलता और वह है सत्य। सत्य त्रिकाल में अटल रहता है। वह न तो परिस्थितियों से प्रभावित होता है और न ही समय के प्रवाह से।

अग्नि का स्वभाव ऊष्मा देना है, यह सत्य है और यह सदैव रहेगा। अग्नि जलाती है, परन्तु वह सब कुछ नहीं जला सकती। उसी प्रकार संसार की कोई भी शक्ति आत्मा को प्रभावित नहीं कर सकती। आत्मा का स्वरूप भौतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। इसलिए शास्त्रों में कहा गया है कि आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं और न अग्नि जला सकती है। आत्मा निराकार, निरंजन और चैतन्यमय है। वह अजर-अमर है और उसका अस्तित्व शरीर से स्वतंत्र है। जब मनुष्य इस सत्य को स्वीकार करता है, तब उसके जीवन में आस्था और स्थिरता का जन्म होता है।

मानव जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य स्वयं को जानना है। हम बाहरी संसार में इतना उलझ जाते हैं कि अपने भीतर झांकने का समय ही नहीं निकाल पाते। जबकि हमारे भीतर ही वह दिव्य प्रकाश विद्यमान है जो हमें सत्य का बोध करा सकता है। यह शरीर एक भव्य महल के समान है और आत्मा उसमें जलने वाला दीपक है। जब यह दीपक प्रज्वलित होता है, तब जीवन के सभी अंधकार दूर हो जाते हैं।

अध्यात्म का मार्ग इसी आत्मबोध की ओर ले जाता है। यह मार्ग सरल नहीं है, परन्तु अत्यंत फलदायी है। जैसे सोना अग्नि में तपकर शुद्ध हो जाता है, वैसे ही आत्मा भी साधना के द्वारा शुद्ध होती है। जब मनुष्य अध्यात्म की ओर अग्रसर होता है, तब उसकी आसक्ति धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। वह समझने लगता है कि संसार की सभी वस्तुएँ नश्वर हैं और उनसे मोह करना दुख का कारण है। आसक्ति ही सभी दुखों की जड़ है और उससे मुक्त होकर ही सच्चा सुख प्राप्त किया जा सकता है।

सत्य को जानना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे जीवन में उतारना आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति सत्य को समझ सकता है, परन्तु उसे स्वीकार करना और उसके अनुसार आचरण करना कठिन होता है। यही कारण है कि सत्य का मार्ग कठिन माना गया है। परन्तु जो व्यक्ति इस मार्ग पर चलता है, वही अंतत: सफल होता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ सत्य के बल पर असंभव को संभव बनाया गया है।

सत्य हमारे भीतर ही विद्यमान है, परन्तु अज्ञान के कारण हम उसे पहचान नहीं पाते। हमारे मन में अनेक प्रकार के भ्रम और विकार होते हैं, जो सत्य के प्रकाश को ढक देते हैं। जब हम अपने मन को शुद्ध करते हैं और आत्मचिंतन करते हैं, तब धीरे-धीरे ये पर्दे हटने लगते हैं और सत्य का प्रकाश प्रकट होता है। यही आत्मजागरण है, जो मनुष्य को वास्तविक ज्ञान की ओर ले जाता है।

दुनिया में अनेक प्रकार के सौन्दर्य हैं। कोई प्रकृति में सौन्दर्य देखता है, कोई वस्तुओं में और कोई शरीर में। परन्तु इन सभी का अनुभव करने वाला तत्व आत्मा ही है। इसलिए वास्तविक सौन्दर्य आत्मा में ही निहित है। बाहरी सौन्दर्य क्षणिक होता है, जबकि आत्मा का सौन्दर्य शाश्वत होता है। जब मनुष्य इस सत्य को समझ लेता है, तब उसकी दृष्टि बदल जाती है और वह बाहरी आकर्षणों से प्रभावित नहीं होता। यदि हम यह मानते हैं कि सभी जीव एक ही परम सत्ता की संतान हैं, तो हमें उनके प्रति करुणा और सम्मान का भाव रखना चाहिए। किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाना, उस परम सत्य के विरुद्ध जाना है। मानवता का वास्तविक अर्थ यही है कि हम सभी प्राणियों के प्रति सहानुभूति रखें और उनके साथ न्यायपूर्ण व्यवहार करें। यही भावना हमें सच्चे अर्थों में मनुष्य बनाती है।

मनुष्य की एक बड़ी कमजोरी यह है कि वह अपनी गलतियों का दोष दूसरों पर डाल देता है। वह स्वयं को सुधारने के बजाय दूसरों को दोषी ठहराता है। जबकि वास्तविक आवश्यकता आत्मनिरीक्षण की है। जब हम अपनी कमियों को पहचानते हैं और उन्हें सुधारने का प्रयास करते हैं, तभी हमारा विकास होता है। सजगता ही आत्मोन्नति का पहला कदम है। आज के समय में विज्ञान ने अभूतपूर्व प्रगति की है, परन्तु इसके साथ-साथ नैतिक मूल्यों में गिरावट भी आई है। मनुष्य भौतिक सुखों के पीछे इतना भाग रहा है कि वह अपने आध्यात्मिक विकास को भूल गया है। प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ ने समाज में अशांति और हिंसा को बढ़ावा दिया है। बच्चों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। वे वही सीखते हैं जो वे देखते हैं। यदि उन्हें सही मार्गदर्शन न मिले, तो वे गलत दिशा में जा सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम नई पीढ़ी को सत्य और अध्यात्म का महत्व समझाएँ। उन्हें यह सिखाएँ कि जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सफलता नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति भी है। जब समाज में सत्य और नैतिकता का प्रचार होगा, तभी शांति और संतुलन स्थापित होगा।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि आत्मा का सौन्दर्य ही वास्तविक सौन्दर्य है और सत्य उसका प्रकाश है। जो व्यक्ति सत्य को जान लेता है और उसे अपने जीवन में उतारता है, वही सच्चे अर्थों में सफल और सुखी होता है। विज्ञान और अध्यात्म दोनों का संतुलन आवश्यक है, परन्तु यदि हमें चुनना पड़े, तो सत्य और आत्मज्ञान को प्राथमिकता देनी चाहिए। यही जीवन का परम उद्देश्य है और यही मानवता का वास्तविक मार्ग है।

रिजल्ट देखते ही एसबीएस. सी. सै. स्कूल के विद्यार्थियों के खिले चेहरे

छात्रा रिया ने 95.6 प्रतिशत अंक हासिल कर पाया पहला स्थान, बनी स्कूल टॉपर

करनाल, 16 अप्रैल (संदीप रोहिला) : सी.बी.एस.ई. द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों के साथ ही एस.बी.एस. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रेलवे रोड में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। जैसे ही विद्यार्थियों ने अपना रिजल्ट देखा, उनके चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी। स्कूल परिसर में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के बीच जश्न जैसा माहौल देखने को मिला। इस वर्ष भी विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया। दसवीं कक्षा में रिया ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया और स्कूल टॉपर बनी। वहीं अनिका ने 93.8 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि खुशी ने 91.4 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय प्रबंधन ने इस उत्कृष्ट परिणाम को विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों की मेहनत का परिणाम बताया। स्कूल के चेयरमैन दीवान कुलदीप सिंह चोपड़ा ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे विद्यालय परिवार के लिए भी प्रेरणादायक है। उप-चेयरमैन सरदार अचरण सिंह ने छात्रों को

आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहने की प्रेरणा दी। वहीं मैनेजर व सचिव सरदार जी.पी. सिंह ने विद्यार्थियों की इस सफलता को उनके अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम बताते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं।

एस.बी.एस. स्कूल इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करता रहेगा : विद्यालय की प्रिंसीपल हरजीत कौर चावला ने कहा कि स्कूल हमेशा से ही शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों पर भी विशेष ध्यान देता है, जिसका परिणाम आज इस शानदार रिजल्ट के रूप में सामने आया है। उन्होंने आगे बताया कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर भी बराबर जोर दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। इस सफलता के बाद अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह बढ़ा है और वे आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुए हैं। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में भी एस.बी.एस. स्कूल इसी तरह सफलता के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

खेड़ा खेमावती के आंगनबाड़ी केंद्र पर हुआ रेडीनेस मेले का आयोजन

सफीदों, 16 अप्रैल (एस. के. मित्तल) : उपमंडल के गांव खेड़ा खेमावती के सरकारी स्कूल में स्तिथ आंगनबाड़ी केंद्र पर स्कूल रेडीनेस मेले का आयोजन किया गया। मेले में स्कूल के प्राचार्य जसबीर ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। वही वशिष्ट अतिथि के तौर पर प्राइमरी स्कूल के हेडमास्टर श्रीनिवास मौजूद रहे। अतिथियों ने रिबन काटकर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र न केवल बच्चों को पोषण और देखभाल प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें स्कूल जीवन की नींव भी तैयार करते हैं। ऐसे मेलों के माध्यम से बच्चों को स्कूल के माहौल से पहले ही परिचित कराया जा रहा है।

जिससे वो भविष्य में स्कूल आने में कोई कठिनाई महसूस नहीं करेंगे। यह स्कूल रेडीनेस मेला बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सराहनीय और प्रभावी प्रयास साबित होगा। वही आंगनबाड़ी वर्कर पूजा ने कहा कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों को स्कूल की प्रारंभिक शिक्षा के लिए तैयार करना, उनकी प्रारंभिक सीखने की क्षमता को बढ़ावा देना तथा सामाजिक, भावनात्मक और भाषा संबंधी विकास और स्कूल जाने की तैयारी को सुदृढ़ करना है। उन्होंने बताया बच्चों को पौष्टिक भोजन के साथ साथ पढ़ाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस मौके पर स्नेहलता, कविता, रजनी, सुमन, उषा, बाला, मंदीप व इंदुबाला मौजूद थीं।

जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, रतिया में अत्याधुनिक वर्चुअल रियलिटी कार्यशाला का आयोजन

रतिया, 16 अप्रैल (अमन सेठी) : जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल, रतिया में सत्र 2026-27 के अंतर्गत एक अत्याधुनिक वर्चुअल रियलिटी (वीआर) कार्यशाला का सफल आयोजन बी.डब्लयू ब्रकिंग कंपनी कि टीम ओर संस्थापक चिराग बजाज के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डिजिटल शिक्षा के नए आयामों से परिचित हुए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से जल जीवन एक रोमांचक विज्ञान यात्रा विषय पर विशेष अनुभव प्रदान किया गया। इस अनूठी कार्यशाला में बच्चों ने

समुद्र के भीतर पाए जाने वाले विभिन्न जीव-जंतु, रंग-बिरंगी मछलियां, विशाल समुद्री व्हेल तथा गहरे समुद्र के रहस्यों को बेहद करीब से देखा और समझा। इस रोचक अनुभव ने विद्यार्थियों को नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्राचार्या कनुप्रिया खुराना ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीक शिक्षा को अधिक रोचक और प्रभावी बनाती है।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनकी जिज्ञासा को भी बढ़ाती हैं। विद्यालय के प्रबंधक बसंत लाल बत्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के समय में डिजिटल शिक्षा का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ते हैं।

शैक्षणिक प्रबंधक लोकेश खुराना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्चुअल रियलिटी तकनीक 360-डिग्री अनुभव के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को सरल, प्रभावी और आनंददायक बनाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाती हैं तथा उन्हें डिजिटल युग के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ते हुए उन्हें आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान देना था। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नई तकनीकों के प्रति गहरी रुचि दिखाई और इस अनोखे अनुभव का भरपूर आनंद लिया।

मेहनत और अनुशासन के बल पर हासिल की जा सकती है कामयाबी : कृष्ण आर्य

निसिंग, 16 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : सीबीएसई द्वारा घोषित दसवीं परीक्षा परिणाम में आर्य विद्यापीठ के बच्चों का दबदबा रहा। छात्र भविष्य ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे क्षेत्र में टॉप किया है। संचालक कृष्ण आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल 67 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी और सभी ने सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया कि मेहनत और अनुशासन के बल पर आगे बढ़ा जा सकता है। परिणाम सामने आते ही स्कूल में जश्न का माहौल बन गया।

बच्चों के चेहरे खिल उठे और हर ओर गर्व की झलक देखने को मिली। स्कूल संचालक कृष्ण आर्य व सीमा आर्य, प्रिंसिपल राम प्रकाश गोयल और कोऑर्डिनेटर संजय कुमार ने बच्चों और स्टाफ के साथ इस सफलता को साझा किया। संचालक कृष्ण आर्य ने साफ कहा कि यह उपलब्धि किसी एक की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और अभिभावकों के विश्वास का सामूहिक परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे आगे भी इसी तरह बच्चों का हौसला बढ़ाते रहें। प्रधानाचार्य राम प्रकाश गोयल और कोऑर्डिनेटर संजय कुमार ने स्टाफ की अनुशासित कार्यशैली और समर्पण को इस कामयाबी को सराहा। इस अवसर पर रमेश कुमार, रविकांत शर्मा, प्रवीण कुमार, कमलजीत कौर, वीर कौर, अंकुश बंसल सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

कांग्रेस की सद्भाव यात्रा के होंगे सुखद परिणाम : इन्दरजीत गोराया

सद्भाव यात्रा में मिल रहा लोगों का भरपूर प्यार व आशीर्वाद, भाईचारा हो रहा मजबूत

करनाल, 16 अप्रैल (संदीप रोहिला) : भारतीय प्रशासनिक सेवा में उच्च अधिकारी रहे पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में चल रही सद्भाव यात्रा में शामिल रहे अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पार्टी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य इन्दरजीत सिंह गोराया ने कहा कि कांग्रेस की सद्भाव यात्रा को लेकर हरियाणा प्रदेश के लोगों में उत्साह व खुशी का माहौल है। गोराया ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक

विरासत अनेकता में एकता की भावना से परिपूर्ण है, यही हमारी असली ताकत व पहचान है, इतिहास इस बात का गवाह है कि जब कभी किसी ने राजनीतिक स्वार्थ के वशीभूत होकर समाज में दरार पैदा करने की कोशिश की तो देश के लोगों ने एकजुट होकर इन ताकतों का मुंहतोड़ जवाब दिया व आपसी सौहार्द बनाए रखा, समाज में भाईचारे की भावना मजबूती के उद्देश्य को लेकर ही पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह ने आईएएस जैसी उच्च प्रशासनिक पद से इस्तीफा देकर राजनीति में प्रवेश किया व अब एक नेक मिशन को लेकर सद्भाव यात्रा निकाली जा रही है जिसे लोगों का भरपूर प्यार व आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों का समाजिक तानाबाना बहुत मजबूत है यहां प्रत्येक जाति, धर्म व वर्ग के लोग सदियों से इकट्ठा रहते आए हैं बृजेन्दर सिंह की सद्भाव यात्रा से हमारी सदियों पुरानी सामाजिक एकता को ओर भी मजबूती मिलेगी। इंद्रजीत गोराया ने कहा कि यह यात्रा चूंकि कांग्रेस पार्टी के बैनर तले की जा रही है इसलिए निश्चित तौर पर इससे कांग्रेस पार्टी को भी लाभ मिलेगा कांग्रेस पार्टी ने हमेशा ही समाज के हर वर्ग को साथ लेकर देश को आगे बढ़ाया है।

औद्योगिक एआई के लिए एप्लाइड इंटेलिजेंस विषय कार्यशाला आयोजित

शाहाबाद मारकंडा, 16 अप्रैल (रूबी) : आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद के कंप्यूटर साईंस विभाग द्वारा औद्योगिक एआई के लिए एप्लाइड इंटेलिजेंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन संयोजिका डा. स्वाति अत्री व सह संयोजिका रितु मितल की देखरेख में हुआ। रिसोर्स पर्सन अर्पणा ग्रोवर, डारेक्टर, इनफोमैथ प्राईवेट लि., चंडीगढ़ व मनदीप कौर रही। कार्यशाला का शुभारंभ अतिथि को पौधा भेंट कर किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, करियर व इनर्टनशिप ऑपर्च्युनिटीज इन एआई सकिलस तकनीकों से परिचित कराना तथा उनके व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाना था। इसके पश्चात विशेषज्ञों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलुओं, औद्योगिक उपयोग तथा इसके भविष्य के अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में बी.एस.सी. कम्पूटर साईस एवं बी.सी.ए. की 126 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. आरती त्रेहन ने हा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं के समग्र विकास में अत्यंत सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो भविष्य में रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर अनुराधा चड्ढा, परविंदर कौर, सुरभि, रमनदीप कौर, दीक्षा, शिवानी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को एक जिम्मेदार और समर्पित नागरिक बनाना : कैलाशो सैनी

बाबैन, 16 अप्रैल (राजेश कुमार) : भारत पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाबैन में सी. बी. एस. ई. द्वारा दसवीं कक्षा के घोषित रिजल्ट में 58 बच्चों में से 25 बच्चों मेरिट लिस्ट में स्थान हासिल किया और 11 छात्रों ने 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त कर अपना, अपने माता-पिता सहित विद्यालय का नाम रोशन किया।

रिजल्ट की घोषणा होते ही विद्यालय में खुशी और उत्साह छा गया। इस अवसर पर स्कूल प्रेसिडेंट एवं पूर्व सांसद प्रोफेसर कैलाशो सैनी व वाइस प्रेसिडेंट भारत सैनी ने स्कूल की टॉपर छात्रा ताश्वी जिसने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, इसके साथ-साथ 90 प्रतिशत से अधिक अंकों वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रेसिडेंट एवं पूर्व सांसद प्रोफेसर कैलाशो सैनी ने सबको संबोधित करते हुए कि बच्चों की इस एकेडमिक शानदार सफलता के लिए मैं स्कूल प्रिंसिपल सुनीता खन्ना, बच्चों के अध्यापक गण व बच्चों को इसका श्रेय देना चाहूंगी क्योंकि इन सबके मिले-जुले

प्रयासों से ही आज हमारा विद्यालय इन बुलंदियों को छू पाया है। उन्होंने बच्चों के साथ-साथ उनके शिक्षकों को यह आश्वासन दिया कि भविष्य में भी विद्यालय के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए स्कूल मैनेजमेंट की तरफ से जिस प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी वह तुरंत मुहैया करवाया जाएगा। स्कूल के वाइस प्रेसिडेंट भारत सैनी ने भी बच्चों को सफलता का गुरु -मंत्र देते हुए कहा कि छात्र दिन रात कड़ी मेहनत करके भविष्य में सफल हो सकते हैं। इस बेहतर परीक्षा परिणाम के कारण बच्चों को सम्मानित करने के साथ-साथ रोड शो का भी आयोजन किया गया।

बच्चों के अभिभावकों से बातचीत करने पर उन्होंने बच्चों की शानदार उपलब्धि पर बड़े हर्ष से अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वे भारत स्कूल की प्रिंसिपल सुनीता खन्ना एवं अध्यापकों के द्वारा कराई गई मेहनत और सहयोग से आज हमारे बच्चे इस शानदार सफलता को प्राप्त कर पाए हैं और वे भविष्य में भी इसी प्रकार के परीक्षा परिणाम उम्मीद करते हैं।

उचित पोषण व शुद्ध पेयजल हमें अनेक प्रकार की बीमारियों से बचाता है : डॉ. शगुन

पानीपत, 16 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : खंड पानीपत के ग्राम पंचायत निजामपुर स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य माता व बच्चों को शारीरिक पोषण व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से जिला सलाहकार डॉ. सतविंदर टाया ने शिरकत की।

डॉ. सतविंदर टाया ने अपने संबोधन में बताया कि सरकार का उद्देश्य पोषण पखवाड़े के अंतर्गत महिलाओं व बच्चों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। हेल्थ डिपार्टमेंट से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शगुन ने उपस्थित महिलाओं व बच्चों को पोषण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं को जागरुक करते हुए बताया कि हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा अच्छा स्वास्थ्य हमारे अच्छे खान-पान पर ही निर्भर करता है इसके लिए हमें अपने खाने-पीने की चीजों पर ध्यान देना होगा और हमें पौष्टिक आहार अपनाना होगा। स्वास्थ्य विभाग से एमपीएचडब्ल्यू सुनीता ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को समय पर उनके बच्चों के वैक्सीनेशन करने संबंधित जानकारी दी।

जन स्वास्थ्य विभाग से बीआरसी रोशन लाल ने कार्यक्रम में जल संरक्षण के बारे में बताते हुए कहा कि पोषण के साथ-साथ स्वच्छ पानी भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना हमारा खानपान अतः हमें अपना खान-पान के साथ-साथ पानी को भी स्वच्छ रखना अत्यंत आवश्यक है।

गंदे पानी की वजह से हम 80 प्रतिशत बीमारियों का शिकार होते हैं अगर हमारा पानी स्वच्छ होगा तो हमें बीमारियों से छुटकारा मिलेगा। महिला एवं बाल विकास विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुसुम ने बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए माता को हरी सब्जियां फल व पौष्टिक आहार अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुमित्रा, आशा वर्कर सुमन, ज्योति, नीलम, पूनम आदि उपस्थित रही।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : नगराधीश पीयूष गुप्ता

यमुनानगर, 16 अप्रैल (दिनेश कुमार) : नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहे, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के आदेशानुसार आमजन की समस्याओं का त्वरित

समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में 7 शिकायतें प्राप्त हुई है जिसमें भगवानपुर निवासी गीता रानी ने कटी हुई पेंशन दोबारा लगवाने बारे, रादौर निवासी अजय कुमार काम्बोज ने रादौर के तालाब की सफाई करवाने बारे, दुर्गा गार्डन कॉलोनी जगाधरी निवासी प्रदीप कुमार ने पंजाब नेशनल बैंक मैनेजर के विरूद्ध शिकायत करने बारे, यमुनानगर निवासी संजय राघव ने प्राइवेट स्कूल द्वारा फीस व अन्य शुल्कों में मनमानी वसूली करने बारे, आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों द्वारा सीटों को गलत तरीके से दर्शाकर आम नागरिकों के अधिकारों को हनन करने बारे, वार्ड नम्बर-16 यमुनानगर निवासी संदीप धीमान ने वार्ड नंबर-16 में सिवरेज बंद होने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर डीआरओ तरूण सहोता, समाधान शिविर के विशेष सदस्य जगदीश बब्बर, खैराती लाल बतरा, नीरज गुप्ता व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बालू में पुस्तकालय का उद्घाटन, मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

कलायत, 16 अप्रैल (सूबे सिंह मोर): गांव बालू की रापड़िया पट्टी में उड़ान शिक्षा सेवा समिति द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य पुस्तकालय का उद्घाटन और छात्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे एचपीएस रोहताश कुमार, शिक्षाविद संजीव कुमार बल्हारा और जिला पार्षद दीप बालू ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में इस कदम की सराहना की। समारोह के दौरान विभिन्न कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मास्टर प्रदीप बालू और विशिष्ट अतिथि सतीश फफड़ाना व समाजसेवी गुरदेव सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि समाज के अन्य बच्चों को भी कड़ी मेहनत कर बेहतर मुकाम हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। मुख्य वक्ता नवाब सिंह फफड़ाना ने बाबा साहब के जीवन संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके पदचिन्हों पर चलने और शिक्षा के महत्व को समझने का आह्वान किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर भारी संख्या में ग्रामीण और युवा मौजूद रहे, जिन्होंने शिक्षा के प्रसार और सामाजिक जागरूकता के संकल्प को दोहराया।

रिप्लेसमेंट से रीजेनरेशन तक का सफर – एक सर्जन की व्यक्तिगत यात्रा ने बदली घुटनों के इलाज की दिशा-डॉ. एन. के. अग्रवाल

लुधियाना, 16 अप्रैल (मधु राजपूत सपना) भारतीय घरों में घुटनों का दर्द अक्सर उम्र बढ़ने का एक सामान्य हिस्सा मान लिया जाता है। इसकी शुरुआत हल्की परेशानी से होती है जैसे सीढ़ियां चढ़ने में दिक्कत, बैठने या खड़े होने में दर्द— लेकिन धीरे-धीरे यह चलने-फिरने और रोजमर्रा के कामों को प्रभावित करने लगता है। लंबे समय से इसका इलाज लगभग तय रहा है- जब दवाइयों, फिजियोथेरेपी और इंजेक्शन से राहत नहीं मिलती, तो नी रिप्लेसमेंट को अगला कदम माना जाता है। लेकिन अब यह सोच बदलती हुई नजर या रही है।

डॉ. एन. के. अग्रवाल, एक अनुभवी आर्थोपेडिक सर्जन जिनके पास 50 से अधिक वर्षों का अनुभव है और जो भारत में नी रिप्लेसमेंट के शुरुआती विशेषज्ञों में से रहे हैं, पहले इसी समाधान में पूरी तरह विश्वास रखते थे। उन्होंने भारत, यूके, यूरोप और अमेरिका के प्रमुख संस्थानों में प्रशिक्षण और काम किया है, और लुधियाना के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में आर्थोपेडिक्स विभाग के प्रमुख और प्रोफेसर के रूप में सेवा दी है। अपने करियर में उन्होंने हजारों सर्जरी की हैं और कई मरीजों को चलने-फिरने की क्षमता वापस दिलाई है। लेकिन समय के साथ उन्हे एक बात खटकने लगी, जो थी ऑपरेशन के बाद मरीजों में संतुष्टि। करीब 15-20 वर्षों तक लगातार नी रिप्लेसमेंट करने के बाद उन्होंने पाया कि सर्जरी सफल होने के बावजूद, लगभग 20-25 प्रतिशत मरीज पूरी तरह संतुष्ट नहीं होते। कई मामलों में दर्द या जकड़न बनी रहती है और चलने-फिरने की क्षमता पहले जैसी नहीं हो पाती। तकनीक में सुधार, रोबोटिक्स और नई विधियों ने सर्जरी को अधिक सटीक तो बनाय, लेकिन मरीजों की संतुष्टि में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यहीं से यह सवाल उठा कि क्या इलाज समस्या की जड़ तक पहुंच भी रहा है या नहीं। इसी दौरान एक व्यक्तिगत अनुभव ने उनकी सोच को और स्पष्ट कर दिया। करीब दस साल पहले उनकी पत्नी, जो खुद डॉक्टर हैं, को गंभीर घुटनों का दर्द होने लगा। हालत इतनी बिगड़ गई कि उनका चलना मुश्किल हो गया और यात्रा के लिए व्हीलचेयर की जरूरत पड़ने लगी। विशेषज्ञों ने उन्हें भी नी रिप्लेसमेंट की सलाह दी, लेकिन डॉ. अग्रवाल ने तुरंत यह फैसला नहीं लिया। अपने अनुभव से वह जानते थे कि सफल सर्जरी भी संतोषजनक परिणाम की गारंटी नहीं होती और उन्होंने इस समस्या को गहराई से समझने का निर्णय लिया। जब उन्होंने दुनियाभर के शोध को विस्तार से देखा, तो एक महत्वपूर्ण बात सामने आई। घुटनों का दर्द केवल घिसाव का परिणाम नहीं है, बल्कि यह शरीर में होने वाली धीमी और लगातार सूजन से जुड़ा होता है, जो उम्र के साथ बढ़ती है, जिसे इनफ्लेमेजिंग कहा जाता है। यह सूजन केवल घुटने के कार्टिलेज तक सीमित नहीं रहती, बल्कि लिगामेंट, मांसपेशियों और आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित करती है। इस तरह घुटनों का दर्द केवल एक जोड़ की समस्या नहीं, बल्कि पूरे शरीर से जुड़ी स्थिति का हिस्सा बन जाता है। यहीं से इलाज की दिशा में बदलाव शुरू हुआ और डॉ. अग्रवाल ने रिप्लेसमेंट के बजाय रीजेनरेशन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कई ऐसे उपचारों को एक साथ जोड़ा, जिन्हें पहले अलग-अलग अपनाया जाता था। इसमें जोड़ों की सफाई, लुब्रिकेशन थेरेपी, पीआरपी और ग्रोथ फैक्टर जैसे उपचार शामिल हैं, जो मरीज के अपने खून से लिए जाते हैं। इसके साथ ही फैट और बोन मैरो से जुड़ी तकनीकों का भी उपयोग किया जाता है। इसके समानांतर, उन्होंने शरीर की कुल सूजन को कम करने के लिए दवाइयों, सप्लीमेंट्स और जीवनशैली में बदलाव को भी इलाज का हिस्सा बनाया और इस समग्र पद्धति को लुधियाना प्रोटोकॉल नाम दिया गया। जिसका उद्देश्य है सूजन को नियंत्रित करना, घुटने के अंदर के माहौल को बेहतर बनाना और शरीर की प्राकृतिक हीलिंग क्षमता को मजबूत करना। इस तरह इलाज का फोकस घुटना बदलने से हटकर उसे बचाने और ठीक करने पर आ गया।इस पद्धति का पहला उपयोग उनकी पत्नी के इलाज में हुआ, जहां समय के साथ स्पष्ट सुधार देखा गया। इसके बाद उन्होंने इस तरीके को अन्य मरीजों पर लागू किया। अब तक सैकड़ों मरीजों का इलाज किया जा चुका है और 95 प्रतिशत से अधिक मामलों में दर्द और चलने-फिरने की क्षमता में सुधार दर्ज किया गया है। खास बात यह है कि कई ऐसे मरीज, जिन्हें पहले नी रिप्लेसमेंट की सलाह दी गई थी, अब बिना सर्जरी के बेहतर स्थिति में हैं। यह उपचार न्यूनतम इनवेसिव है, यानी इसमें बड़े ऑपरेशन की जरूरत नहीं होती। आमतौर पर अस्पताल में भर्ती होना जरूरी नहीं होता, एनेस्थीसिया की आवश्यकता नहीं पड़ती और मरीज उसी दिन घर लौट सकता है। इससे इलाज आसान और कम जोखिम वाला बन जाता है।

हालांकि, डॉ. अग्रवाल यह भी स्पष्ट करते हैं कि यह हर मरीज के लिए समाधान नहीं है। जिन मामलों में घुटना बहुत अधिक खराब या टेढ़ा हो चुका है, वहां सर्जरी जरूरी हो सकती है। लेकिन शुरुआती और मध्यम अवस्था में अगर समय पर इलाज शुरू किया जाए, तो सर्जरी को टाला जा सकता है। इस उपचार का असर धीरे-धीरे दिखाई देता है— कुछ हफ्तों में बदलाव नजर आने लगता है और पूरा लाभ 2-3 महीनों में मिलता है। भारत में घुटनों की समस्या तेजी से बढ़ रही है। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में यह अधिक देखी जाती है, खासकर महिलाओं में। बदलती जीवनशैली, मोटापा और बढ़ती उम्र इसके मुख्य कारण हैं। अब यह समस्या युवाओं में भी सामने आने लगी है, जो इसे और गंभीर बनाती है। डॉ. अग्रवाल का यह सफर इलाज की सोच में एक बड़े बदलाव की ओर इशारा करता है। अब ध्यान केवल नी बदलने पर नहीं, बल्कि बीमारी को समझकर उसे जड़ से ठीक करने पर है। जैसा कि वे कहते हैं, हम उम्र बढ़ने को रोक नहीं सकते, लेकिन उसके दर्दनाक असर को नियंत्रित कर सकते हैं। अगर समय पर इलाज शुरू हो जाए, तो घुटनों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। वे आज भी जरूरत पड़ने पर नी रिप्लेसमेंट करते हैं, लेकिन इसे पहला नहीं बल्कि आखिरी विकल्प मानते हैं। मरीजों के लिए संदेश साफ है—घुटनों के दर्द को नजरअंदाज न करें और इलाज के लिए केवल सर्जरी पर निर्भर न रहें। अब रीजेनरेशन आधारित इलाज एक मजबूत और उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आ रहा है।

हॉकी इंडिया और कोका-कोला इंडिया ने खिलाड़ियों के विकास को दी मजबूती

अमृतसर 16 अप्रैल (मधु राजपूत) आनंदना - कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के समर्थन से हॉकी इंडिया ने सफलतापूर्वक रांची में 16वें हॉकी इंडिया सब-जूनियर वीमेन नेशनल चैंपियनशिप 2026 का समापन किया है। 2024 से कोका-कोला इंडिया और हॉकी इंडिया के बीच साझेदारी के माध्यम से प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्म तक पहुंच और विभिन्न स्तर पर स्ट्रक्चर्ड तरीके से अवसर प्रदान करते हुए लंबी अवधि में खिलाड़ियों के विकास पर फोकस किया जा रहा है। इस गठजोड़ के माध्यम से खिलाड़ियों को विशेष कोचिंग, ट्रेनिंग इक्विपमेंट, न्यूट्रिशनल सपोर्ट और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कैंप व टूर्नामेंट तक पहुंच के साथ-साथ परफॉर्मेंस गियर, स्पोर्ट्स साइंस सपोर्ट और मेंटल कोचिंग के माध्यम से समर्थन प्रदान किया जा रहा है। इससे उनके संपूर्ण विकास में योगदान मिलता है। उच्च गुणवत्ता की प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच प्रदान करते हुए भारतीय हॉकी की संरचना को मजबूत बनाने में सब-जूनियर वीमेन नेशनल चैंपियनशिप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।कोका-कोला इंडिया एंड साउथ वेस्ट एशिया की पब्लिक अफेयर्स, कम्युनिकेशंस एंड सस्टेनेबिलिटी वाइस प्रेसिडेंट देवयानी राणा ने कहा, 'सशी द डिफरेंस के अंतर्गत हॉकी इंडिया के साथ हमारी साझेदारी जमीनी स्तर पर महिला खिलाड़ियों के लिए अवसर मजूबत करने की भावना पर आधारित है। प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण और विकास के अवसरों तक पहुंच प्रदान करते हुए हमारा लक्ष्य भारत में महिला हॉकी के दीर्घकालिक विकास को समर्थन देना है।'इस पार्टनरशिप में उन जूनियर खिलाड़ियों के लिए खास डेवलपमेंट सपोर्ट शामिल है, जो

अनाज मंडी से गेहूं के उठान में किसी भी प्रकार की ढिलाई बरतने पर होगी कार्रवाई : अनुभव मेहता

एसडीएम अनुभव मेहता, मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त ने खरीद एजेंसी, उठान एजेंसी, आढ़ती, व्यापारी और अधिकारी के साथ करी बैठक

लाडवा, 16 अप्रैल (राम गोपाल) : एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि अनाज मंडी से गेहूं के उठान में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतें और पूरी प्रक्रिया तेज गति से संचालित की जाए। खरीद कार्य में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। फसल खरीद कार्यों से संबंधित सभी अधिकारी व कर्मचारी अनाज मंडी में अपनी ड्यूटी प्वाइंट पर नियमित रूप से उपस्थित रहें। खरीद सीजन के दौरान सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम अनुभव मेहता वीरवार को मार्केट कमेटी कार्यालय में आयोजित बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त भी मौजूद रहे। बैठक में एसडीएम ने खरीद एजेंसी, उठान एजेंसी, आढ़ती, व्यापारी और अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि किसी भी किसान को गेहूं मंडी में लाए जाने के बाद यदि गेट पास, बायोमेट्रिक, बारदाना सहित किसी भी तरह की समस्या आती है तो उनकी समस्या को ध्यान से सुनते हुए उसका तत्काल समाधान करें। इसके साथ ही खरीद एजेंसियों के अधिकारी बायोमेट्रिक, गेट पास, खरीद, फसल उठान और भुगतान को लेकर भी हर रोज एसडीएम कार्यालय को अपनी रिपोर्ट दें। रबी खरीद सीजन को पूरी तरह से सुचारु एवं पारदर्शी बनाएं। उन्होंने कहा कि किसानों को मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाएं। खरीद कार्य पूरी तरह नियमानुसार किया जाए। किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने फसल खरीदने के समय होने वाले सत्यापन (वेरिफिकेशन) पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मंडियों के गेट पर फसल लेकर आए किसी भी किसान को वापस न भेजा जाए और उसकी एंट्री वेरिफिकेशन तुरंत सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि मंडी में फसल खरीद करते समय सरकार की गाइडलाइन के अनुसार सत्यापन किया जाए। मंडी में फसल के समर्थन मूल्य पर खरीद होने के बाद किसानों को तय समय में भुगतान करना भी सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार कृषि विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि डेटा मिलान के कार्य को जल्द पूरा करें। इस मौके पर मार्केट कमेटी के सचिव संत कुमार, मंडी प्रधान राजीव आर्य, लेबर ठेकेदार राधेश्याम, हैफड मैनेजर वीरेंद्र, वह अनाज मंडी के आढ़ती मौजूद रहे।

आर्य पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

शाहाबाद मारकंडा, 16 अप्रैल (रूबी) : आर्य पब्लिक स्कूल सूढ़पुर का दसवीं (सी. बी.एस.ई.) का परीक्षा परिणा शानदार रहा। प्राचार्या

मीनू धीमान ने बताया कि कक्षा 10वीं के बच्चे मैरिट सूची में आए हैं। कक्षा 10वीं के टॉपर बच्चों में दीपांशु गांव सूढ़पुर ने 92 प्रतिशत, रमनदीप गांव अजरानी ने 91 प्रतिशत, पारस गांव अजराना कलां ने 90.2 प्रतिशत, वीर लाठर गांव चढूनी जट्टान ने 89 प्रतिशत, लवप्रीत गांव कतलहरी ने 87 प्रतिशत तथा यजश गांव सूढ़पुर ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माता-पिता तथा विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल प्रबंधक अजीत सिंह राणा ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा प्रोत्साहित करते हुए जीवन में मेहनत करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों की समर्पित शिक्षण पद्धति और अतिरिक्त कक्षाओं का परिणाम है, जिससे कमजोर छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली।

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता पर नरवाना की बेटी स्वाति आर्य का आदर्श बाल मंदिर विद्यालय मे भव्य सम्मान

नरवाना, 16 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : क्षेत्र की होनहार बेटी स्वाति आर्य द्वारा सिविल सेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 366वीं रैंक हासिल करने पर शहर में खुशी की लहर दौड़ गई। इसी उपलब्धि के उपलक्ष्य में मानव मित्र मंडल, भारतीय शिक्षण मंडल एवं प्रगतिशील समाज के संयुक्त तत्वावधान में आदर्श बाल मंदिर विद्यालय में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ जिसके पश्चात संगीत शिक्षण संस्थान के अरविंद गर्ग व उनकी टीम ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर माहौल को प्रेरणादायक बना दिया। इस अवसर पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके योगदान को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। मुख्य वक्ता तहसीलदार अनिल बिढान ने अपने संबोधन में स्वाति आर्य की मेहनत की सराहना करते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कैथल से पधारे सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी.बी. भारद्वाज ने महाभारत, गीता और रामायण के उदाहरणों के माध्यम से सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास की महत्ता पर प्रकाश डाला। वहीं साहित्यकार असीम राना ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के केंद्र में रहीं स्वाति आर्य ने इस सम्मान के लिए नरवाना क्षेत्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र से मिला स्नेह जीवनभर प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर आयोजक संस्थाओं द्वारा स्वाति आर्य को स्मृति चिह्न, चांदी का सिक्का, पुस्तकें एवं चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। उनके माता-पिता को भी शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। साथ ही मुख्य अतिथियों एवं सहयोगी संस्थाओं को भी स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मेधावी छात्रा दीपांशी को नकद छात्रवृत्ति देकर प्रोत्साहित किया गया। अंत में भारतीय शिक्षण मंडल के जिलाध्यक्ष सुरेश नैन ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनों का धन्यवाद किया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी संतोष शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल के 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में लहराया परचम

असंध, 16 अप्रैल (दलसिह मान) : सीबीएसई द्वारा कक्षा दसवीं के

सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जिसमें डीएवी पब्लिक स्कूल असन्ध ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। स्कूल का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है जिससे स्कूल परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। छात्र विनायक ने 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके सिर्फ अपने स्कूल में ही नहीं बल्कि पूरे असन्ध ब्लॉक में प्रथम स्थान हासिल किया है। छात्र मयंक मितल ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान हासिल किया तथा छात्रा ईशिका शर्मा ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया। विषयानुसार इंग्लिश व इन्फारमेशन टैक्नोलॉजी में 100, सामाजिक विज्ञान में 99, विज्ञान व हिन्दी में 97 तथा मैथ्स में 94 अधिकतम अंक रहे। परिणाम घोषित होते ही स्कूल में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यार्थियों ने मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। अभिभावकों ने भी स्कूल पहुंचकर शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य सुखपाल सिंह मान ने इस शानदार सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि हमारे स्कूल के अनुशासित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ अपनी शुभकामनायें व आशीर्वाद प्रदान किया।

रिपु सूदन सिंह गीता विद्या मंदिर स्कूल का दसवीं कक्षा का परिणाम रहा शानदार

बाबैन, 16 अप्रैल (राजेश कुमार) : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणामों में हिन्दू शिक्षा समिति द्वारा संचालित रिपु सूदन सिंह गीता विद्या मंदिर स्कूल ने एक बार फिर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन के बल पर शानदार सफलता दर्ज की है। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जो संस्थान के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय के गांव कसीथल निवासी छात्र लवप्रीत ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कंचन ने 87 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अमनदीप ने 85 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि तन्वी ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त अन्य विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। वंशिका ने 81 प्रतिशत, अभिमन्यु ने 79 प्रतिशत, हिमानी ने 75 प्रतिशत, लविशा और कुणाल ने 74-74 प्रतिशत, जबकि रमन और सिमरन ने 73-73 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्राचार्या पूनम सैनी ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता हमारे आचार्यों की कड़ी मेहनत, समर्पण और विद्यार्थियों के निरंतर प्रयास का परिणाम है। विद्यालय के प्रबंधक विनोद सिंगला ने भी इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षक वर्ग को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे विद्यालय से प्राप्त शिक्षा एवं संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा 'विद्या भारती' के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान दें। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को देखते हुए विद्यालय प्रबंधक कमेटी द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए प्राचार्या पूनम सैनी, शिक्षक स्टाफ एवं प्रबंध समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों के घर जाकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. फकीरचंद, प्रबंधक विनोद सिंगला, कोषाध्यक्ष सत्य प्रकाश, समिति सदस्य रामऋषि सैनी, हरकेश आर्य, अंकित सैनी, आचार्य मोनिका एवं मलकीत सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एम.डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्टौंडी 10वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

मूनक, 16 अप्रैल (जय भगवान) : सीबीएसई कक्षा 10वीं के घोषित परीक्षा परिणामों में एम. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्टौंडी के विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की छात्रा दिव्यांशी ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा तानिया ने 95.2 प्रतिशत, कृति ने 94.6 प्रतिशत, शगुन ने 94.2 प्रतिशत, हिमांक लाठर, नमन व अवनी ने 93.6 प्रतिशत तथा वंशिका ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस वर्ष कक्षा 10वीं के 50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की, जो विद्यालय के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार, प्रधान रामेश्वर व विनोद ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस सफलता के लिए बधाई दी तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गोल्ड मेडल मिलने से पहले ही छात्र गुलशन की मौत, कॉलेज के लिए अपूरणीय क्षति

प्रबंधन समिति के प्रधान स. कंवरजीत सिंह प्रिंस व कॉलेज प्राचार्य डा. चुहड़ सिंह बोले : गुलशन एक बेहद प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र थे

करनाल, 16 अप्रैल (संदीप रोहिला) : गुरु नानक खालसा कालेज के एम.ए. पंजाबी के होनहार छात्र गुलशन ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीतकर कालेज और क्षेत्र का नाम रोशन किया, लेकिन इस उपलब्धि का जश्न मनाने से पहले ही एक हादसे ने सबको झकझोर कर रख दिया। गुलशन अब इस दुनिया में नहीं रहे। जानकारी देते हुए कॉलेज प्राचार्य डा. चुहड़ सिंह ने बताया कि छात्र गुलशन की उनके घर पर करंट लगने से आकस्मिक मौत हो गई। यह खबर सामने आते ही कालेज परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जिस छात्र ने अपनी मेहनत और लगन से विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, उसकी असमय मृत्यु ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया है। कालेज के प्राचार्य डॉ. चुहड़ सिंह ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए बताया कि गुलशन एक बेहद प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र थे। उन्होंने कहा कि गोल्ड मेडल मिलने से पहले ही उनका इस तरह दुनिया से चले जाना कालेज के लिए अपूरणीय क्षति है। कालेज परिवार ने गुलशन के निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। वहीं कालेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस ने भी इस दुखद घटना पर गहरा शोक जताया। उन्होंने कहा कि कालेज परिवार इस कठिन समय में गुलशन के परिजनों के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता प्रदान करने का प्रयास करेगा। गुलशन की इस उपलब्धि और उनके असमय निधन ने एक साथ गर्व और गम का ऐसा माहौल बना दिया है, जिसे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, उत्तर रेलवे, अम्बाला कैंट भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी और से वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर खुली ई–निविदा आमंत्रित करता है। निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाकर्ता अपना मूल/संशोधित प्रस्ताव नीचे दिए गए निर्धारित समापन समय और तारीख से पहले जमा कर सकते हैं। निविदा केवल ई–पोर्टल के माध्यम से स्वीकार की जाएगी। निविदा संख्या: **NR/Pr/UMB/EL/25240/G-1. कार्य का नामः**– प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना/उत्तर रेलवे कॉम्प्लेक्स– अम्बाला कैंट, उत्तर रेलवे/परियोजना ऑफिसर रेस्ट हाउस–अंबाला कैंट, सीडीएमएस/परियोजना/उत्तर रेलवे, डिपो–कुरुक्षेत्र में विभिन्न कार्यालयों में सामान्य विद्युत कार्य के रखरखाव अनुबंध का कार्य और अंबाला कैंट में प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना/उतर रेलवे कॉम्प्लेक्स के कार्यालय में स्थापित 50 केवीए डीजी सेट में ईंधन की आपूर्ति और उसके भरने सहित रखरखाव और संचालन दो साल की अवधि के लिए।

लगभग लागत (रु.)	धरोहर राशि (रु.)	कार्य पूरा करने की अवधि (महीने)	निविदा दस्तावेज की लागत (रु.)	निविदा बंद की तिथि	निविदा खुलने की तिथि
3576251.00	71600/-	24	Nil	15.05.2026 at 15:00 Hrs	15.05.2026 at 15:30 Hrs

निविदा दस्तावेज रेलवे की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं और इन्हें वहां से डाउनलोड किया जा सकता है। यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। ई–टेंडरिंग के संबंध में बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा दस्तावेज लागत (टीडीसी) का भुगतान केवल नेट बैंकिंग और भुगतान गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। उल्लिखित के अलावा भुगतान का कोई अन्य तरीका स्वीकार्य नहीं होगा और ऐसे प्रस्ताव को बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा दस्तावेज लागत (टीडीसी) के बिना अमान्य माना जाएगा। अन्य सभी नियम एवं शर्तें रेलवे की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in से देखी और डाउनलोड की जा सकती है

निविदा सूचना क्रमांक: NR/Pr/UMB/EL/Advt./01 दिनांक: 16.04.2026 1260/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फ्रेशर्स पार्टी में दिखा उत्साह

बरनाला, 16 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में प्लेवे से लेकर कक्षा2तक के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन अत्यंत उल्लास और उमंग के साथ किया गया। यह विशेष अवसर नन्हे बच्चों के लिए उनके विद्यालय जीवन की एक यादगार शुरुआत बना,जहाँ उन्हें स्नेह,अपनत्व और खुशियों के साथ स्वागत किया गया।इस अवसर पर केक कटिंग का विशेष आयोजन किया गया,जिसमें सभी नए विद्यार्थियों ने मिलकर स्कूल द्वाराकेक काटा और एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं। यह पल बच्चों के लिए अत्यंत आनंददायक और यादगार रहा।विद्यालय के प्रबंधन ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के लिए एक सकारात्मक और सहज वातावरण तैयार करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रमोद अरोड़ा जी ने कहा कि बच्चों के जीवन में विद्यालय का पहला अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती गीता अरोड़ा जी,श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने भी अपने संदेश में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं,बल्कि बच्चों को एक ऐसा वातावरण देना है,जहाँ वे स्वयं को सुरक्षित,आत्मविश्वासी और खुश महसूस करें।इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसीपल श्रीमती मनिंदरजीत कौर धालीवाल जी ने अपने संबोधन में कहा किफ्रेशर्स पार्टी जैसे आयोजन बच्चों के मन से झिझक और भय को दूर करते हैं तथा उन्हें विद्यालय से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके स्नेह और मार्गदर्शन से ही बच्चे सहजता से नए वातावरण में ढल पाते हैं। किंडरगार्टन फ्रेशर्स पार्टी नन्हे विद्यार्थियों के लिए एक सुखद और अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुई,जिसने उनके विद्यालय जीवन की शुरुआत को रंगीन,आनंदमय और आत्मीय बना दिया।

एसबीएस का दसवीं का परिणाम शतप्रतिशत रहा, लड़कियों ने मारी बाजी

बरनाला, 16 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) सी.बी.एस.ई. द्वारा बोर्ड की दसवीं कक्षा के परिणाम घोषित किए गए, जिसमें एस.बी.एस. पब्लिक स्कूल सुरजीतपुरा का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। दसवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की।स्कूल की होनहार छात्रा अनमोलप्रीत कौर ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन किया। छात्रा दिक्षिता ने पंजाबी विषय में 100 अंक तथा परनीत कौर ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में 100 अंक हासिल किए।इसके अलावा 10 विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक और 15 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।स्कूल के वाइस प्रिंसिपल डॉ. संजय कुमार ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को परिणाम की बधाई देते हुए कहा कि यह बच्चों की मेहनत और लगन का परिणाम है। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल मैडम कमलजीत कौर ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अच्छे अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया है और यह परिणाम अध्यापकों व विद्यार्थियों की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने बच्चों को भविष्य में और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने जीवन में अपने माता-पिता के सपनों को पूरा कर सकें।स्कूल के समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों में खुशी की लहर देखी गई।

जय वाटिका पब्लिक स्कूल, बरनाला ने रचा इतिहास - दसवीं कक्षा में 100प्रतिशत परिणाम

बरनाला, 16 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) शिक्षा में अपनी उत्कृष्टता और अनुशासन के लिए प्रसिद्ध जय वाटिका पब्लिक स्कूल, बरनाला ने एक बार फिर शानदार सफलता हासिल करते हुए दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए और अधिकांश ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर स्कूल का मान बढ़ाया।इस वर्ष विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। करणवीर सिंह ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया। गुरनीत कौर ने 97.6 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि यशनूर कौर देओल ने 97% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। अरमानइंदरदीप कौर ने 95.8% अंक लेकर चौथा स्थान और जानवी ने 95.4% अंक लेकर पांचवां स्थान प्राप्त किया, जिससे स्कूल का नाम रोशन हुआ।स्कूल के 17 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया। विशेष रूप से कई विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित किए।स्कूल परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के चेहरों पर गर्व और संतोष साफ दिखाई दे रहा था।स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. परविंदर कौर ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना क्लब का उद्देश्य : रेनू वधवा

शाहाबाद मारकंडा, 16 अप्रैल (रूबी) : इन्नरव्हील क्लब द्वारा एस.जी.एन.पी. स्कूल के विद्यार्थियों के लिए पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। क्लब की प्रधान रेनू वधवा ने बताया कि विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत और नैतिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए 50 कहानी पुस्तकें वितरित की गईं। उन्होंने बताया कि अच्छाई की ओर नामक पुस्तक जिला अध्यक्ष पूजा गोयल द्वारा लिखित और प्रकाशित की गई है। इसमें प्रेरणादायक और नैतिक कहानियां हैं जिनका उद्देश्य बच्चों में अच्छे मूल्यों और सकारात्मक सोच को विकसित करना है। वधवा ने कहा कि पुस्तकें पाकर विद्यार्थी बहुत उत्साहित हुए। उन्होंने बताया कि पुस्तकें वितरण का उद्देश्य न केवल साक्षरता को बढ़ावा देना बल्कि सार्थक कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में भी सहायता करना है।

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कविता, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

नीलोखेड़ी, 16 अप्रैल (सुरेश कुमार मिड्डा) : श्री गुरु तेग बहादुर राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ व अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में डॉ भीम राव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में डॉ भीम राव अम्बेडकर विजन फॉर इंडिया विषय पर कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य चमनलाल के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को डॉ भीम राव अम्बेडकर के जीवन के संघर्ष, विचारों के बारे में जानकारी देना रहा। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हैं हुए बताया कि डॉ भीम राव अम्बेडकर ने न केवल दलितों को अधिकार दिलवाए बल्कि हर नागरिक को जीने का अधिकार दिया । इस प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। कविता पाठ में पायल बी ए द्वितीय वर्ष ने प्रथम, सोनिया बी ए प्रथम ने द्वितीय,खुशी बी ए तृतीय तथा अलका बी ए द्वितीय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में सोनिया बी ए प्रथम ने प्रथम, साबी बी ए तृतीय ने द्वितीय तथा तमन्ना बी ए तृतीय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी सरिता यादव,अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष सुरेंद्र रमन तथा सोनी भोरिया द्वारा करवाया गया।

सरकारी कार्य में बाधा डालने और कर्मचारियों से अभद्रता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

फतेहाबाद, 16 अप्रैल (अमन सेठी) : जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों के साथ गांव खुम्बर में हुई अभद्रता और मारपीट की कोशिश के विरोध में आज उपमंडल अभियंता आंचल जैन की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग के अधिकारियों और कर्मचारी यूनियन के सदस्यों ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और दोषियों के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की मांग की। आंचल जैन उपमंडल अभियंता रतिया ने बताया कि विभाग को पोर्टल पर गांव खुम्बर में एक खाली प्लॉट में अवैध कनेक्शन की शिकायत मिली थी। विभागीय आदेशानुसार, पृथ्वीपाल (खंड संयोजक) के नेतृत्व में एक टीम अवैध कनेक्शन काटने गई थी। जब टीम अपना कार्य पूरा कर बूस्टिंग स्टेशन पर वाल्व खोलने पहुँची, तो वहां गांव के ही एक व्यक्ति रविन्द्र/घोलू ने कुछ महिलाओं के साथ मिलकर कर्मचारियों को घेर लिया। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की, हाथापाई पर उतारू हो गया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। शर्मा चंद लाली जिला सलाहकार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग फतेहाबाद ने कहा कि सरकारी ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों के साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में थाना प्रभारी, सदर थाना फतेहाबाद को लिखित शिकायत भेजकर दोषियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और धमकी देने के आरोप में सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उन्हें सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक क्षेत्र में कार्य करने में भारी कठिनाई आ रही है। शमशेर सिंह कुंडू जिला अध्यक्ष ने बताया कि दोषियों के खिलाफ उचित कार्यवाही नहीं की गई तो जल्दी कर्मचारियों की जिला स्तरीय बैठक बुलाकर आगामी रणनीति बनाई जाएगी। इस बैठक में शर्मा चंद लाली, सुभाष चन्द्र, शमशेर सिंह कुंडू अमनदीप सिंह, छोटू राम, दुर्गेश कुमार, दलबीर सिंह, राम मेहर सिंह सहित अन्य कर्मचारी व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सही मार्गदर्शन से विद्यार्थी जीवन में ऊंचाइयों को छू सकते हैं : सोहन लाल

बाबैन, 16 अप्रैल (राजेश कुमार) : आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरगट जट्टान में कक्षा दसवीं के परिणाम घोषित होने की खुशी में उत्साहपूर्वक उत्सव मनाया गया। यह दिन विद्यालय तथा अभिभावकों के लिए गर्व और खुशी का विशेष अवसर रहा। विद्यार्थियों की मेहनत को सम्मानित करते हुए उन्हें अगली कक्षा में पदोन्नत किया गया। सीबीएसई द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार विद्यालय की छात्रा देवांशी सैनी (रामशरण माजरा) ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय से कक्षा दसवीं की परीक्षा में सम्मिलित हुए 103 छात्रों में से सभी छात्र उत्तीर्ण रहे, जिससे विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

इस परीक्षा में छात्रा देवांशी सैनी, पूर्वी सोहेल, जसप्रीत सिंह, जानवी सैनी, देवांगी शर्मा, साक्षी गुप्ता एवं तनिष ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इसके अतिरिक्त 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 25 छात्र तथा 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 28 छात्रों का परिणाम भी अत्यंत सराहनीय रहा। कई विषयों में विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष रूप से, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय में 30 छात्रों तथा पंजाबी विषय में 35 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रोबिन कुमार ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी तथा उन्हें भविष्य में और अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक सोहन लाल सैनी एवं प्रधानाचार्य रोबिन कुमार द्वारा विद्यार्थियों को मेडल एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक सोहन लाल सैनी ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए इस सफलता का श्रेय अध्यापकों तथा अभिभावकों के सहयोग को दिया।

उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन से विद्यार्थी जीवन में ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं तथा मेहनत और अनुशासन से प्राप्त यह सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक उर्मिला सैनी, उप-प्रधानाचार्या अनीता हांडा सहित समस्त अध्यापकगण उपस्थित रहे।

शहर में खुलेगा जीएसआर मार्शल आर्ट्स प्रशिक्षण केंद्र, आत्मरक्षा पर रहेगा विशेष फोकस : प्रदीप कुमार

यमुनानगर, 16 अप्रैल (दिनेश कुमार) : शहर में जल्द ही गोजू-शू इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स (जीएसआर) अपना नया प्रशिक्षण केंद्र खोलने जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और सुरक्षा बलों को आधुनिक व पारंपरिक तकनीकों पर आधारित मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह जानकारी गोजू-शू इंटरनेशनल मार्शल आर्ट के अखिल भारतीय तकनीकी निदेशक प्रदीप कुमार ने दी। देश के प्रथम स्तरीय ओलंपिक कोच एवं 6 डैन ब्लैक बेल्ट रैंक प्राप्त प्रदीप कुमार का देर शाम यमुनानगर पहुंचने पर अभिनंदन किया गया। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में पारंपरिक कराटे, क्राव मागा और जुजित्सु जैसी प्रमुख शैलियों का मिश्रित प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण केवल खेल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आत्मरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा और मानसिक आत्मविश्वास को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नए केंद्र में बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए अलग-अलग बैच बनाए जाएंगे। खासतौर पर लड़कियों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विशेष आत्मरक्षा कक्षाएं चलाई जाएंगी। इसके अलावा पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि वे वास्तविक परिस्थितियों में बेहतर ढंग से कार्य कर सकें। संस्था ने बताया कि इस केंद्र में शारीरिक फिटनेस प्रशिक्षण, अनुशासन, मानसिक मजबूती और पारंपरिक मूल्यों पर आधारित प्रशिक्षण प्रणाली अपनाई जाएगी। प्रशिक्षित कोच और विशेषज्ञों की देखरेख में खिलाड़ियों को कठोर और कोमल तकनीकों का संतुलित अभ्यास कराया जाएगा। उनका कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य यमुनानगर के युवाओं को सही दिशा देना, उन्हें आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाना और समाज में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। यह केंद्र क्षेत्र में मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अल्पाईन स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

शाहाबाद मारकंडा, 16 अप्रैल (रूबी) : अल्पाईन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। स्कूल की प्राचार्या आरती अरोड़ा ने बताया कि छात्रा कनन ने 93.2 प्रतिशत, सानिध्य सिंघल ने 93, गुरकीरत ने 92, बुशरा ने 91.4, पुनीत ने 91.2, हर्षिता ने 89.4, मनन ने 89.4, गुरशब्द ने 88.8, वयंक ने 88.4, वासु शर्मा ने 87.8, राधिका ने 88.8, लावण्या ने 86.6 तथा स्मृति ने 86 अंक लेकर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

सामाजिक विज्ञान में पुनीत ने 99, अवनि, स्मृति, हर्षिता, वैभव और प्रभु नूर ने हिंदी में 95,कनन ने अंग्रेजी में 98,सानिध्य ने गणित में 92,पुनीत ने विज्ञान में 94, अवनि ने बैंकिंग में 95, गुरकीरत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी में 95 अधिकतम अंक प्राप्त किए। प्राचार्या एवं निदेशक दीपक सिंघल ने परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। प्राचार्या आरती अरोड़ा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है। विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके सारे वर्ष की मेहनत, एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन है। विद्यालय के निदेशक दीपक सिंघल ने विद्यार्थियों को भविष्य में इसी तरह मेहनत से कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। दीपक सिंघल ने कहा कि मेहनत से किए गए कार्यो का फल हमेशा मीठा मिलता है। इस मौके पर विद्यालय कोऑर्डिनेटर प्रोमिला, हरप्रीत, स्वीटी, बलविंदर कौर, कुलविंदर कौर, गौरव बत्तरा, प्रवीण,प्रिया सिंगला सहित स्कूल स्टाफ मौजूद था।

मेहनत का फल हमेशा मीठा मिलता है : दीपक सिंघल

10वीं परीक्षा परिणाम में नरसिंह दास पब्लिक स्कूल के शानदार नतीजों से हर तरफ वाहवाही

निर्देशक धर्मेंद्र खेड़ा बोले : हर बच्चे की प्रतिभा निखारना ही हमारी असली जीत

तरावड़ी, 16 अप्रैल (छाया शर्मा) : नरसिंह दास पब्लिक स्कूल तरावड़ी का 10वीं कक्षा का बोर्ड परिणाम इस वर्ष बेहद शानदार रहा। विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत और अध्यापकों के मार्गदर्शन से उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं में करण तगेजा ने 94.2 प्रतिशत, निकिता ने 92 प्रतिशत, भूमिका धीमान ने 91.2 प्रतिशतऔर रमनप्रीत कौर ने 90.8 प्रतिशत अंक हासिल कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। कुल 48 विद्यार्थियों में से 26 विद्यार्थियों ने 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जो विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है।

हिंदी में भूमिका धीमान ने 97 अंक, सामाजिक शास्त्र में रमनप्रीत कौर ने 98 अंक, आईटी में निकिता ने 97 अंक, अंग्रेजी में करण तगेजा ने 95 अंक, विज्ञान में निकिता ने 94 अंक, गणित में करण तगेजा ने 97 अंक, पंजाबी में युवराज ने 94 अंक प्राप्त किए। विद्यालय संरक्षक मधु गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अध्यापक वर्ग को इस सफलता पर बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र खेड़ा ने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों की लगन का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य अच्छे अंक दिलाना ओर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। हमें गर्व है कि हमारे बच्चे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। भविष्य में भी इसी तरह के बेहतर परिणाम की उम्मीद है। इस अवसर पर विद्यालय में खुशी का माहौल रहा और बच्चों का मुंह मीठा कराकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम में विषय अध्यापक सुनीता गाबा, मनीष मित्तल, भवनीश, हरीश, रुचि, अमित शर्मा, अमन, रमेश और दिनेश मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की सफलता अटूट विश्वास-अनुशासन का परिणाम : डा. घुम्मन

शाहाबाद मारकंडा, 16 अप्रैल (रूबी) : सतलुज सीनियर सैकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है, जिसमें कुल 72 विद्यार्थियों में से 63 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की तथा शेष विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि स्वास्तिक 96, शगुन 95.2, अक्षित 95, दीपेश शर्मा 94, अतुल 92.2, वंशराज 91.8, जशनप्रीत 91.6, तृप्ति धवन 90.6 और दीपेश कुमार 90.4, इसी प्रकार, 80 प्रतिशत से अधिक की श्रेणी में सायना 87.2, रिया 86.4, पूर्वी पाल 86, जपसीरत कौर 85.6, सुनील 85.4, नवरीत कौर 85.4 प्रतिशत, दीपिका ने 83.8, वैष्णवी 80.6 और मनकीरत कौर ने 80 तथा 70 से अधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों में मन्नत कौर 79.4 प्रतिशत, केशव 78.2, ऐश्वर्या बजाज 78.2, लक्ष्मी 77.4, पूर्वा 76.2, यमन कुमार 75.4 प्रतिशत, उदय सिंह 74.4, जसप्रीत कौर 73, रजत शर्मा 73, सुहानी गोरियान 72.8, तन्मय शर्मा 72.2, राधा 72 प्रतिशत, सृष्टि 71.6, अंशप्रीत कौर 70.6 और समर प्रीत ने 70.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता उनके अटूट विश्वास और अनुशासन का परिणाम है। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य सतबीर सिंह सहित स्कूल स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

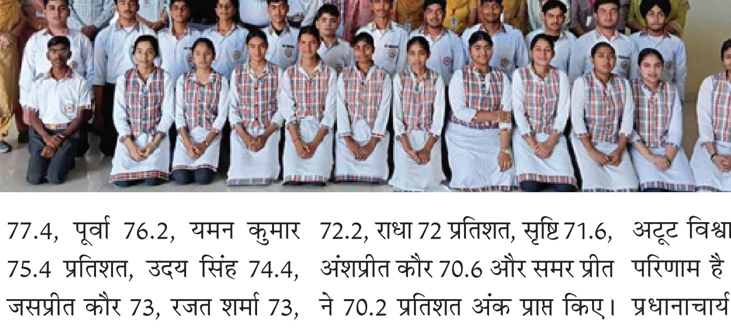

बनूड़ के शिवालिक कान्वेंट स्कूल का दसवीं का सीबीएसई परिणाम शतप्रतिशत रहा

बनूड़ 16 अप्रैल (राजिंदर सिंह कंबोज) सीबीएसई द्वारा 2026 में घोषित क्लास 10 का रिजल्ट हर साल की तरह 100 प्रतिशत रहा। स्कूल के स्टूडेंट्स ने शानदार परफॉर्म किया और हाई मार्क्स लाकर स्कूल का नाम रोशन किया। इस साल टॉप परफॉर्म करने वाले स्टूडेंट्स में समरप्रीत कौर ने 98.2 प्रतिशत मार्क्स के साथ टॉप पोजीशन हासिल की। गुरजोत सिंह ने 96 प्रतिशत मार्क्स लाकर शानदार परफॉर्म किया। हरिओम और कृतिका ने भी अच्छे मार्क्स लाकर शानदार अचीवमेंट दर्ज की। जानवी ने 90% से ज़्यादा मार्क्स लाकर बड़ी कामयाबी हासिल की। स्कूल के चेयरमैन रमेश भारद्वाज जी और प्रिंसिपल मिस चिन्नू शर्मा जी ने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाले 81 बच्चों ने अच्छे मार्क्स लाए हैं। उन्होंने इस शानदार रिजल्ट के लिए सभी स्टूडेंट्स, उनके पेरेंट्स और टीचर्स को बधाई दी और भविष्य में और भी ऊंचाइयां छूने की दुआ की। सभी छात्र खुश नजर आ रहे थे।

दवाई लेने आए बुजुर्ग को ठगों ने बनाया शिकार

जालंधर 16 अप्रैल (निस) महानगर के बस स्टैंड क्षेत्र में ऑटो चालकों की ठगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला उस समय सामने आया, जब होशियारपुर से जालंधर इलाज के लिए आए एक बुजुर्ग यात्री को ऑटो चालक ने निशाना बना लिया। ऑटो में बैठते ही चालक ने चालाकी से यात्री का पर्स साफ कर दिया और मौके से फरार हो गया। पीड़ित हरपाल सिंह, जो कि एक रिटायर्ड सूबेदार हैं, ने बताया कि वह जालंधर नोवा अस्पताल में दवाई लेने आए थे। बस स्टैंड के बाहर उन्होंने 20 रुपये में ऑटो तय किया। ऑटो चालक ने न तो किराया लिया और न ही कोई शक होने दिया। कुछ दूरी तय करने के बाद जब हरपाल सिंह ने अपनी जेब टटोली, तो पर्स गायब मिला। पर्स में नकदी के अलावा जरूरी दस्तावेज थे, जिनकी कुल कीमत 20 हजार बताई जा रही है।

मंडियों में खरीद सुचारु न होने का आरोप, सिर्फ दो प्रतिशत लिफ्टिंग, अकाली नेता ने प्रशासन से की मांग

घनौर, 16 अप्रैल (राजिंदर सिंह कंबोज)पंजाब की अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद का काम लगभग रुक गया है। यूथ अकाली दल के प्रधान और घनौर हलका इंचार्ज सरबजीत सिंह झिंजर ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार को मिले गेहूं का सिर्फ़ 2 प्रतिशत ही सीज़न के पहले 16 दिनों में खरीदा गया है, जिससे किसानों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है और मंडियों में नई फ़सल उतारने के लिए जगह नहीं बची है। झिंजर ने SGPC मेंबर जसमेर सिंह लछरू के साथ घनौर अनाज मंडी का दौरा किया और हालात का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से खरीद सीज़न शुरू होने के बावजूद सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गया है। उन्होंने कहा, देश का पेट भरने वाले किसान को आज मंडियों से बाहर निकाला जा रहा है। अकाली दल के नेता ने चेतावनी दी कि अगर आम आदमी पार्टी सरकार ने गुरुवार और शुक्रवार तक उठान शुरू नहीं किया, तो मंडियों में नई आवक के लिए जगह नहीं बचेगी। केंद्र सरकार पर सीधे भेदभाव का आरोप लगाते हुए झिंजर ने कहा कि 4 अप्रैल को ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से हुए नुकसान को देखते हुए हरियाणा के लिए गेहूं खरीद के नियमों में ढील दी गई, लेकिन पंजाब के किसानों को वैसी राहत नहीं दी गई। उन्होंने BJP के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ से जवाब मांगा और कहा, हम हरियाणा के किसानों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन पंजाब के साथ यह भेदभाव क्यों?झिंजर ने दावा किया कि घनौर मंडी के कई व्यापारियों ने उनसे कहा कि अगर सरकार ने जल्द ही मंडी की जगह खाली नहीं की, तो किसान अपनी उपज हरियाणा में बेचने के लिए मजबूर होंगे। मौके पर मौजूद किसान सुरिंदर सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि कोई भी उनकी उपज लेने नहीं आ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के 92 ख्ररूपर भी निशाना साधते हुए कहा कि किसानों के हक में किसी ने भी किसी केंद्रीय मंत्री से बात नहीं की है। उन्होंने कहा, भगवंत मान बिना पुलिस और ङ्कक्कसिक्योरिटी के मंडियों में आएं, तभी उन्हें किसानों का दर्द समझ आएगा।झिंजर ने जिला प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि अगर तुरंत लिफ्टिंग शुरू नहीं हुई तो संघर्ष तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह खुद इलाके की दूसरी मंडियों में जाकर किसानों से सीधी बातचीत करते रहेंगे।इस मौके पर गुरजंट सिंह मेहदूदा, अवतार सिंह अंटाल, जसदेव सिंह जस्सी, सर्किल अध्यक्ष जसविंदर सिंह, कुलदीप सिंह, जगदेव सिंह जग्गा, स्मित्तर सिंह, गुरजिंदर सिंह आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस द्वारा कमल कालड़ा को बड़ी जिम्मेदारी पंजाब प्रदेश कमेटी के स्पेशल इनवाइटी नियुक्त

फाजल्का, 16 अप्रैल (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए, लंबे समय से पार्टी के लिए समर्पित भाव से काम कर रहे वरिष्ठ नेता और मौजूदा चेयरमैन कमल कालड़ा को एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी हाईकमान ने उनकी पिछले दो दशकों की निस्वार्थ सेवाओं को देखते हुए उन्हें पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी में 'स्पेशल इनवाइटी' के रूप में नियुक्त किया है।कमल कालड़ा किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे इलाके के प्रसिद्ध समाजसेवी और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. बी.डी. कालड़ा के सुपुत्र हैं। डॉ. कालड़ा द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए गए योगदान और कांग्रेस पार्टी के प्रति वफादारी की विरासत को कमल कालड़ा बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले 20 वर्षों से उन्होंने दिन-रात मेहनत कर पार्टी को मजबूत करने में योगदान दिया है, जिसके कारण वे पार्टी के अंदर एक भरोसेमंद चेहरा बन चुके हैं।कमल कालड़ा ने अपना राजनीतिक सफर यूथ कांग्रेस से शुरू किया था। इसके बाद वे विभिन्न पदों पर रहते हुए पार्टी की सेवा करते रहे हैं। वे ब्लॉक प्रधान, जिला महासचिव और पंजाब सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके हैं। वर्तमान में वे जिला उपाध्यक्ष के पद पर भी कार्यरत हैं। इसके साथ ही वे लैंडमार्क बैंक के चेयरमैन के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

पार्टी द्वारा समय-समय पर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपे जाने से यह स्पष्ट होता है कि उन पर उच्च स्तर पर भरोसा किया जाता है। अब स्पेशल इनवाइटी के रूप में उनकी नियुक्ति उनके राजनीतिक जीवन का एक और अहम पड़ाव है।

लुधियाना में टूटा मृतक के परिजनों का सब्र, पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर गरमाया माहौल

लुधियाना 16 अप्रैल (निस) एक साल पहले सेहरा सजाने वाले युवक की खुदकुशी के मामले ने अब बड़ा तूल पकड़ लिया है। इंसाफ की आस में दर-दर भटक रहे मृतक के परिजनों का सब्र आज उस वक्त टूट गया जब उन्होंने पुलिस प्रशासन की ढीली कार्रवाई के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। लुधियाना पुलिस कमिश्नर कार्यालय के बाहर आज उस समय स्थिति काफी भावुक और तनावपूर्ण हो गई जब मृतक के परिजनों ने हाथों में असली हथकड़ियां पहनकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पुलिस या तो दोषियों को गिरफ्तार कर ये हथकड़ियां उन्हें पहनाए, या फिर बेगुनाह परिजनों को ही जेल के अंदर डाल दे।गौरतलब है कि युवक ने शादी के महज एक साल बाद ही मौत को गले लगा लिया था। मरने से पहले लिखे दो पन्नों के भावुक सुसाइड नोट में मृतक ने अपनी दर्दनाक दास्तां बयां करते हुए साफ शब्दों में लिखा था कि वह मरना नहीं चाहता, लेकिन अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष के मानसिक उत्पीड़न के कारण वह यह खौफनाक कदम उठाने को मजबूर है।

ससुराल पक्ष से परेशान होकर विवाहिता ने की आत्महत्या, परिवार पर केस दर्ज

तलवाड़ा 16 अप्रैल (निस) तलवाड़ा पुलिस ने एक महिला द्वारा सल्फास की गोलियां खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने के मामले में उसके पति, सास और ससुर के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी देते हुए एस.एच.ओ. तलवाड़ा सतपाल सिंह ने बताया कि मृतका के पिता सुरिंदर सिंह, निवासी मातनहोल झज्जर, हरियाणा ने पुलिस को बयान दर्ज कराए हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार,उनकी लड़की नीलम (30) की शादी 14 फरवरी 2014 को दविंदर सिंह निवासी रेवाड़ी हाल निवासी तलवाड़ा के साथ हुई थी। घर में कोई बच्चा न होने के कारण, शादी के करीब एक साल बाद से ही ससुराल वाले नीलम को संतान न होने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। पति दविंदर सिंह अपने माता-पिता के कहने पर अक्सर नीलम की मारपीट करता था और उसे अपने मायके वालों से फोन पर बात करने से भी रोका जाता था। पिता सुरिंदर सिंह ने बताया कि 11 अप्रैल को दोपहर करीब 1¬15 बजे नीलम ने उन्हें फोन करके बताया कि वह ससुराल वालों के अत्याचारों से तंग आकर सल्फास की गोलियां खा रही है। जब परिवार हरियाणा से तलवाड़ा के लिए रवाना हुआ, तो रास्ते में ही उन्हें नीलम की मौत की खबर मिली।

मुख्यमंत्री भगवंत मान..

पृष्ठ एक का शेष ...साजिश थी।'मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि यह कानून अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, 'अब इस अक्षम्य अपराध में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर माफ नहीं किया जाएगा और बाकियों के लिए अनुकरणीय कार्रवाई की जाएगी।' उन्होंने जोर देकर कहा, 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हर सिख के पिता हैं और प्रांत सरकार इस पवित्र ग्रंथ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर पावन श्री गुरु ग्रंथ साहिब ही प्रांत में सुरक्षित नहीं है तो यह और कहां हो सकता है।' इस कानून को बेअदबी रोकने के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। अकाली दल की तथाकथित 'बचाओ यात्रा' पर व्यंग्य करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'अकाली दल की इस यात्रा का असली नाम 'परिवार बचाओ यात्रा' है क्योंकि यह सारा प्रयास उनके पारिवारिक हितों की रक्षा के लिए है।' उन्होंने अकाली नेतृत्व को चुनौती देते हुए पूछा, '15 साल प्रांत को लूटने के बाद वे किससे प्रांत को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।'

संक्षिप्त समाचार

होटल में पकड़ी गईं 7 बंगाली लड़कियां, देह व्यापार का पर्दाफाश

मोहाली 16 अप्रैल (निस) ज़ीरकपुर के एक होटल में चल रहे कथित सेक्स रैकेट पर पुलिस ने शिकंजा कसते हुए आधी रात को बड़ी कार्रवाई की। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने 7 लड़कियों को रेस्क्यू किया, जबकि होटल के 5 स्टाफ सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, अधिकांश लड़कियां पश्चिम बंगाल की रहने वाली बताई जा रही हैं। गजलप्रीत कौर की अगुवाई में ज़ीरकपुर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि इस होटल में लंबे समय से अनैतिक गतिविधियां चल रही हैं और बाहरी राज्यों से लड़कियों को यहां लाया जा रहा है। जब पुलिस टीम ने होटल पर अचानक छापा मारा, तो वहां मौजूद लोगों के पास कोई दस्तावेज नहीं मिले, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ इमोरल ट्रैफिकिंग (प्रिवेंशन) एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि इस होटल का रिकॉर्ड पहले से ही खराब रहा है और इसके खिलाफ पहले भी ऐसे दो मामले दर्ज हो चुके हैं। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है ताकि इस गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाया जा सके।

जालंधर में दिनदहाड़े फिल्मी स्टाइल किडनैपिंग, इलाके में दहशत

जालंधर 16 अप्रैल (निस) जालंधर से दिनदहाड़े हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार गत दिन थाना लांबड़ा के अधीन आते चिट्टी मोड़ इलाके में युवक से मारपीट कर उसे जबरन कार में बैठाकर ले जाने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि चिट्टी मोड़ के पास एक युवक व महिला सड़क के किनारे खड़े थे। इस दौरान एक पजेरो गाड़ी में सवार 4 से 5 युवक मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क किनारे खड़े युवक पर तेजधार हथियार से हमला किया और उसे जबरन कार में बैठाकर ले गए। इसकी सीसीटीवी फुटेज सामने आई और पुलिस द्वारा मामले की जांच करते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मोगा में मंगलवार सुबह दबिश की और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिकंदर के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा उससे गहराई के पूछताछ कर अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं इस घटका के पीछे पैसों के लेन-देन की आशंका जताई जा रही है पर पुलिस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

फिरोजपुर में पत्नी की हैरान करने वाली हरकत, पति को बाथरूम में बंधक बनाकर फरार

फिरोजपुर 16 अप्रैल (निस) फिरोजपुर शहर के श्री गणेश एन्क्लेव में एक पत्नी द्वारा अपने पति को बंधक बनाकर उसके ही घर से चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी देते हुए सिटी फिरोजपुर पुलिस स्टेशन के असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस अयूब मसीह ने बताया कि शिकायतकर्ता बलविंदर सिंह, जो श्री गणेश एन्क्लेव का रहने वाला है, का अपनी पत्नी मनप्रीत कौर उर्फ राखी, जो नकोदर जालंधर की रहने वाली है, के साथ काफी समय से घरेलू झगड़ा चल रहा था।

जांच रिपोर्ट में पाया गया है कि मनप्रीत कौर ने कथित तौर पर अपने पति बलविंदर सिंह को बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद उसने अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें से सोने-चांदी के गहने,ञ्जरूकार्ड, आधार कार्ड और दूसरे जरूरी कागज़ात चुरा लिए और मौके से फरार हो गई। जांच अधिकारी ने बताया कि बड़े अधिकारियों द्वारा जांच के बाद शिकायत सही पाई गई। फिरोजपुर पुलिस ने मनप्रीत कौर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

वारिस पंजाब जत्थेबंदी के वरिष्ठ नेता बाबा सुखदेव सिंह मिसल सतलुज में शामिल

फिरोजपुर, 16 अप्रैल (निस) पंजाब के हितों पर केंद्रित मज़बूत और वैकल्पिक राजनीतिक धारा खड़ी करने के लिए प्रतिबद्ध संगठन मिसल सतलुज द्वारा अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह बराड़ की अगुवाई में चलाई जा रही पूरा पंजाब लहर मुहिम के तहत पूरे पंजाब में प्रभावशाली तरीके से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वैसाखी के पवित्र दिनों के दौरान 11 से 14 अप्रैल तक तख्त श्री दमदमा साहिब में एक विशेष चेतना कैंप लगाया गया, जिसे संगतों का भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ। इस चेतना कैंप के दौरान पूरा पंजाब लहर के तहत हस्ताक्षर अभियान चलाकर संगत को पंजाब की प्रमुख बुनियादी मांगों के बारे में जागरूक किया गया तथा यह भी उजागर किया गया कि किस प्रकार विभिन्न राजनीतिक पार्टियां इन बुनियादी मुद्दों से लोगों का ध्यान भटका रही हैं। इस मुहिम को संगतों की ओर से बेहद उत्साहजनक समर्थन मिला और चार दिनों के दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने मिसल सतलुज के काउंटर पर पहुंचकर याचिका पर हस्ताक्षर करके अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस दौरान मुहिम को उस समय विशेष बल मिला जब वारिस पंजाब जत्थेबंदी के वरिष्ठ नेता बाबा सुखदेव सिंह महियांवाले अपने साथियों सहित मिसल सतलुज में शामिल हो गए। इस अवसर पर मिसल सतलुज के जनरल सेक्रेटरी सरदार दविंदर सिंह सेखों, सरदार हरदीप सिंह डोर, सरदार गुरदेव सिंह चहल, सरदार गुरमंत सिंह गिल, सरदार अमृतपाल सिंह, एडवोकेट रमणदीप सिंह बठिंडा आदि नेताओं ने बाबा सुखदेव सिंह को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूरा पंजाब लहर के राष्ट्रीय कन्वीनर सरदार अमरिंदर सिंह तुड़ (स्वर्गीय जत्थेदार मोहन सिंह तुड़ के पोते) द्वारा बाबा सुखदेव सिंह महियांवाले को फिरोजपुर जिले के लिए पूरा पंजाब लहर का कन्वीनर नियुक्त किया गया। अपने संबोधन में बाबा सुखदेव सिंह ने कहा कि वे अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह बराड़ और जनरल सेक्रेटरी सरदार तविंदर पाल सिंह की सोच और कार्यशैली से प्रभावित होकर मिसल सतलुज से जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का युद्धग्रस्त पश्चिम एशिया एवं यूक्रेन को शांति संदेश....

पृष्ठ एक का शेष ... मीटर चौड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके जरिए करीब 20 प्रतिशत वैश्विक तेल व्यापार होता है। इस जलडमरूमध्य को खोलना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रमुख मांगों में से एक है, इसके साथ ही वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने की भी मांग कर रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार वांग यी ने अराघची से कहा, %%वर्तमान स्थिति संघर्ष और शांति के बीच एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है और शांति के लिए एक अवसर खुल रहा है।

हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक, अराघची ने कहा कि तेहरान को उम्मीद है कि चीन शांति स्थापित करने और संघर्ष समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए एक व्यावहारिक और तार्किक समाधान खोजने के लिए तैयार है।

इससे पहले सप्ताहांत में इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता का पहला दौर स्थायी समाधान के उद्देश्य से हुआ था, लेकिन परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे जटिल मुद्दों पर मतभेद बने रहने के कारण कोई समझौता नहीं हो सका। इसके बाद अमेरिका ने नाकेबंदी लागू की। चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अमेरिकी नाकेबंदी की कड़ी आलोचना करते हुए इसे खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बताया और कहा कि इससे तनाव बढ़ने तथा नाजुक युद्धविराम कमजोर पड़ने का खतरा है।

नाम परिवर्तन

मैं, नेमत पुत्री श्री वरिन्द्र सिंह निवासी मकान नं. 279/3, वार्ड नंबर 15, गुरुद्वारा गली, लाडवा, जिला कुरुक्षेत्र, ने अपना नाम नेमत से बदलकर नेमत कौर रख लिया है। संबंधित नोट करें।

Change of Name

I Neymat daughter of Varinder Singh r/o H.No. 279/3, Ward No. 15, Gurdwara Gali, Ladwa, distt. Kurukshetra, hereby declare that I have changed my name from Neymat to Neymat Kaur. Concerned all please note.

राजन सिंगला साल 2026-27 के लिए रोटरी क्लब सुनाम के अध्यक्ष चुने गए

संगरूर/सुनाम उधम सिंह वाला 16 अप्रैल (मोहन शर्मा) राजन सिंगला को बिना किसी सहमति के रोटरी क्लब सुनाम के सेशन 2027-28 के लिए अध्यक्ष चुना गया है। इस मौके पर उन्हें बधाई देने के लिए बड़ी संख्या में मेंबर इकट्ठा हुए, जिससे क्लब मेंबरों में जोश और खुशी की लहर दौड़ गई।राजन सिंगला ने सभी मेंबरों को उनके भरोसे और सपोर्ट के लिए दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपने कार्यकाल के दौरान, वह रोटरी के सात फोकस एरिया पर एक्टिव रूप से काम करेंगे, जिसमें हेल्थ, एजुकेशन, सैनिटेशन, ऑर्गन डोनेशन, ब्लड डोनेशन, मेडिकल कैंप और जरूरतमंद स्टूडेंट्स की एजुकेशन के लिए सपोर्ट के साथ-साथ कई और सोशल सर्विस के काम शामिल हैं। मार्केट कमेटी के चेयरमैन मुकेश जुनेजा इस इवेंट में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। अपने भाषण में, उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे बेहतरीन काम की तारीफ की और राजन सिंगला को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजन ने हमेशा समाज सेवा में अहम भूमिका निभाई है और भविष्य में भी पूरी लगन से समाज की सेवा करते रहेंगे। पूर्व रोटरी गवर्नर ने भी बधाई दी और भरोसा जताया कि अपने कार्यकाल में रोटरी को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कमिटेड हैं। बिना किसी विरोध के हुए चुनाव पर बधाई दी और अपने भाषण में कहा कि दोनों क्लब मिलकर समाज सेवा में एक-दूसरे का साथ देंगे।

किनारों को मजबूत करने के लिए 12.42 करोड़ खर्च होंगे, बाढ़ रोकथाम को लेकर सरकार गंभीर-अरोड़ा

खनौरी, 16 अप्रैल (मोहन शर्मा) पंजाब सरकार राज्य को बाढ़ से बचाने और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास कर रही है। इसी के तहत घग्गर नदी के किनारों को मजबूत करने के लिए लगभग 12.42 करोड़ रुपये की लागत से एक विशेष प्रोजेक्ट शुरू किया गया इसी के तहत कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने 04.13 करोड़ रुपये की लागत से खनौरी से मकरौड साहिब तक घग्गर नदी के किनारों को मजबूत करने का काम शुरू किया है बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत गांव अंदाना में पुल के पास 01.83 करोड़ रुपये की लागत से नदी के किनारों को पत्थरों से मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा, मकरौड़ साहिब से करैल तक 06.46 करोड़ रुपये की लागत से किनारों को मजबूत किया जा रहा है। इन सभी प्रोजेक्ट्स के तहत, लगभग 42 द्मद्व की कुल लंबाई में नदी के किनारों को और मजबूत और ऊंचा किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार घग्गर नदी के किनारों को मजबूत करने के लिए पहले ही लगभग 04 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। इन कोशिशों का नतीजा यह हुआ कि साल 2025 में भारी बाढ़ के दौरान, जब घग्गर नदी लगातार लगभग 10 दिनों तक खतरे के निशान से ऊपर बहती रही, तब भी इलाके को बचाया गया।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब, सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड, पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985